मार्गशीर्ष कृष्ण - 9 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 131 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 06-12-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जम्मू कश्मीर में पंडित नेहरू की 'गलतियों' को प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने सुधारा : ठाकुर

6 तेजी से बढ़ता राष्ट्रीय पार्टियों का वर्चस्व, घबराहट में क्षेत्रीय दल!

7 'फाइटर' में दीपिका पादुकोण बनी हैं स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड

फर्स्ट टेक

पाकिस्तान में स्कूल के बाहर विस्फोट, सात घायल

इस्लामाबाद/वार्ता। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को एक स्कूल के बाहर हुए विस्फोट में चार बच्चों सहित सात लोग घायल हो गए। बचाव दल ने यह जानकारी दी। जिला आपातकालीन अधिकारी नवीद अख्तर ने बताया कि यह घटना प्रांतीय राजधानी पेशावर में हुई, जहां आज एक स्कूल के पास सड़क के किनारे विस्फोट हो गया। इसमें सात लोग घायल हो गए। घायलों को शहर के लेडी रीडिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद आसिम ने मीडिया को बताया कि दो बच्चों की हालत गंभीर है।

मार्स हेलीकॉप्टर ने मंगल ग्रह पर 67 उड़ानें पूरी कीं

लॉस एंजिल्स/वार्ता। नासा के मंगल हेलीकॉप्टर ने सप्ताहांत में लाल ग्रह पर अपनी 67वीं उड़ान पूरी की। यह जानकारी नासा के हवाले से सिन्हुआ ने मंगलवार को दी। नासा के अनुसार, हेलीकॉप्टर 12 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचा और शनिवार को दो मिनट से ज्यादा समय तक 393 मीटर की यात्रा की। इनजेन्यूटी नाम का हेलीकॉप्टर 18 फरवरी, 2021 को मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर पर पहुंचा, जो नासा के पर्सिवरेंस रोवर से जुड़ा हुआ है। हेलीकॉप्टर पहली बार किसी अन्य ग्रह पर संचालित उड़ान का परीक्षण करने के लिए एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन है। नासा के अनुसार, हेलीकॉप्टर को एक बार में लगभग 300 मीटर की दूरी और जमीन से लगभग 3 से 4.5 मीटर की दूरी तक 90 सेकंड के लिए उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

कोलकाता भारत का सबसे सुरक्षित शहरः एनसीआरबी रिपोर्ट

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोलकाता लगातार तीसरे साल भारत में सबसे सुरक्षित शहर बनकर उभरा है। महानगरों में प्रति लाख आबादी पर दर्ज संज्ञेय अपराध के सबसे कम मामले कोलकाता में आए। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, कोलकाता में 2022 में प्रति लाख लोगों पर संज्ञेय अपराध के 86.5 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद पुणे (280.7) और हैदराबाद (299.2) का स्थान रहा। संज्ञेय अपराध वे होते हैं जिनके लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और एसएलएल (विशेष और स्थानीय कानून) की धाराओं के तहत मामले दर्ज किए जाते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक, कोलकाता में 2021 में प्रति लाख लोगों पर संज्ञेय अपराध के 103.4 मामले दर्ज किए गए थे, जो इस साल घटकर 86.5 हो गए। 2020 में यह आंकड़ा 129.5 था।

06-12-2023 सूर्यास्त 5:41 बजे	07-12-2023 सूर्योदय 6:18 बजे
BSE 69,296.14 (+431.02)	NSE 20,855.10 (+168.30)
सोना 6,565 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 83,500 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बागी हुए जो

बैठ गए चुप वे सारे क्यों,
जो नूतन कहने वाले थे।
दूर हो गए आज अचानक,
जो हमदम रहने वाले थे।
मार गया उनको लकवा जो,
हवा संग बहने वाले थे।
कर डाला विद्रोह उन्हींने,
जो सब कुछ सहने वाले थे।।

'मिचौंग' ने बरपाया कहर

तमिलनाडु, उड़िसा और आंध्रपदेश के कई इलाकें हुए जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/वार्ता। दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के पास पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' (जिसे मिगजौम भी कहा जाता है) पिछले छह घंटों के दौरान 11 किमी प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर की ओर बढ़ गया और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट को पार कर गया। मंगलवार अपराह्न 1230 से 1430 घंटों के दौरान बापटला के दक्षिण में 90-100 किमी प्रति घंटे की अधिकतम निरंतर हवा की गति के साथ एक भीषण चक्रवाती तूफान आया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक बुलेटिन में कहा,यह आज 1430 बजे दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में 15.8 डिग्री उत्तर अक्षांश और 80.3 डिग्री पूर्व देशांतर के पास, बापटला से लगभग 15 किमी दक्षिण पश्चिम तथा ओंगोल से 40 किमी उत्तर पूर्व में केंद्रित है। बुलेटिन में कहा गया है कि तूफान के उत्तर की ओर बढ़ने और अगले दो घंटों के दौरान कमजोर होने की संभावना है।

विजयवाड़ा से प्राप्त एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भीषण चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' ने तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा जिलों में लगातार बारिश और भारी आंधी के साथ तबाही मचाई। नेल्लोर, प्रकाशम, गुंटूर, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी, पूर्वी गोदावरी और रायलसीमा के कडपा तथा तिरुपति सहित तटीय आंध्र जिले मिचौंग से प्रभावित हुए हैं क्योंकि फसल, संपत्ति एवं जीवन की हानि की सूचना मिली है। संयुक्त कडपा जिले में एक कांस्टेबल के ऊपर एक उखड़ा हुआ पेड़ गिरने से उसकी मौत हो गई।

मिचौंग चक्रवात के प्रभाव के कारण सोमवार शाम से नेल्लोर, प्रकाशम और गुंटूर जिलों में अधिकांश स्थानों पर लगातार बारिश हो रही है और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बिजली गुल होने से जिले के कई गांव अंधेरे में डूब गए।

चेन्नई में बड़े पैमाने पर बिजली कटौती

सरकार का दावा-80 प्रतिशत आपूर्ति बहाल कर दी

चेन्नई/भाषा। चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' के चलते हुई भारी बारिश से प्रभावित शहर के कई हिस्सों में लोग मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी में दिक्कत और बिजली कटौती से परेशान हैं, वहीं राज्य सरकार का दावा है कि उसका मुख्य जोर सामान्य स्थिति बहाल करने पर है तथा 80 प्रतिशत बिजली आपूर्ति और 70 प्रतिशत मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी बहाल कर दी गई है। चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' से जूझने के एक दिन बाद, चेन्नई को मंगलवार को बारिश से थोड़ी राहत मिली। हालांकि, शहर को बड़े पैमाने पर जल जमाव, बिजली कटौती और मोबाइल नेटवर्क में व्यवधान का सामना करना पड़ा। तमिलनाडु के मुख्य सचिव शिव दास मीणा ने चेन्नई में संवाददाताओं से कहा कि शहर में 42,747 मोबाइल फोन टावर हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत वर्तमान में चालू अवस्था में हैं। उन्होंने कहा कि बाकी 30 फीसदी बिजली आपूर्ति बाधित होने की वजह से संचार सेवाएं नहीं प्रदान कर रहे हैं।

लोकसभा में हिंदी पट्टी के राज्यों को

'गौमूत्र राज्य' कहकर द्रमुक सांसद ने खड़ा किया विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के एक सदस्य ने मंगलवार को हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देते हुए विवाद खड़ा कर दिया और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केवल इन्हीं राज्यों में चुनाव जीत सकती है, दक्षिण भारत में नहीं।

भाजपा के नेताओं ने द्रमुक पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी से पूछा कि क्या वह उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं।

लोकसभा में 'जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक' पर चर्चा में भाग लेते हुए द्रमुक के डीएनवी सेंथिलकुमार ने कहा, ''इस देश की जनता को सोचना चाहिए कि भाजपा की चुनाव जीतने की शक्ति केवल हिंदी पट्टी के राज्यों में है जिन्हें हम आमतौर पर गौमूत्र राज्य कहते हैं।''

हाल में हुए राज्य विधानसभा चुनावों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जहां भाजपा को जीत मिली है, वहीं तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है।

इन विधानसभा चुनाव परिणामों को कुछ वर्ग द्वारा 'उत्तर-दक्षिण' के विभाजन के रूप में देखे जाने की पृष्ठभूमि में द्रमुक सांसद की टिप्पणी आई हैं।

विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधने के लिए द्रमुक नेताओं के सनातन धर्म के खिलाफ दिए गए बयानों का इस्तेमाल किया था। कांग्रेस ने इस साल की शुरुआत में कर्नाटक में भाजपा से सत्ता छीन ली थी, वहीं तमिलनाडु समेत अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में गैर-भाजपाई दल सरकार चला रहे हैं। सेंथिलकुमार ने लोकसभा में कहा, ''आप (भाजपा) दक्षिण भारत में नहीं आ सकते। आप देख लीजिए कि केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में चुनाव परिणाम क्या आया। हम वहां बहुत मजबूत हैं।''

नाइजीरियाई सेना के ड्रोन हमले में 85 लोग मारे गए

अबुजा/एपी। उत्तर पश्चिमी नाइजीरिया में एक धार्मिक सभा पर सेना द्वारा गलती से किए गए ड्रोन हमले में कम से कम 85 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार को नाइजीरिया के संघर्ष क्षेत्रों में गलती के चलते होने वाली इस नवीनतम घटना की जांच का आदेश दिया। नाइजीरिया की राष्ट्रीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (एनईएमए) ने एक बयान में कहा, ''अब तक 85 शवों को दफनाया जा चुका है और तलाश अभी भी जारी है।

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी पर हुआ हमला, हुई मौत : पुलिस

जयपुर/भाषा। जयपुर में अज्ञात मंगलवार को हमलावरों ने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी पर गोलियां चला दीं। पुलिस के अनुसार गोगामेड़ी की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। राज्यपाल कलराज मिश्र ने पुलिस से अपराधियों के खिलाफ कड़ी और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार घटना के बाद राज्य भर में पुलिस को सतर्क कर दिया गया है। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि मंगलवार दोपहर को श्याम नगर इलाके में हुई इस गोलीबारी में एक हमलावर की भी मौत हो गई। गोगामेड़ी के घर के बाहर से एक व्यक्ति की स्कूटी छीनकर फरार हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

- विस्तृत खबर पृष्ठ 4 पर

संस्कृत संस्कृति की पहचान तथा प्रगति का आधार भी : मुर्मु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संस्कृत भाषा को देश की संस्कृति की पहचान तथा संवाहक बताते हुए आज कहा कि यह देश की प्रगति का भी आधार है।

श्रीमती मुर्मु ने मंगलवार को यहां श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में कहा , संस्कृत हमारी संस्कृति की पहचान और संवाहक रही है। यह हमारे देश की प्रगति का आधार भी रही है। संस्कृत की व्याकरण इस भाषा को अद्वितीय वैज्ञानिक आधार देती है। यह मानवीय प्रतिभा की अनूठी उपलब्धि है और हमें इस पर गर्व होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि संस्कृत आधारित शिक्षा प्रणाली में गुरु या आचार्य को अत्यधिक महत्व दिया गया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र इस परंपरा का पालन करेंगे और अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता के साथ जीवन में आगे बढ़ेंगे और शिक्षक भी छात्रों को जीवन भर आशीर्वाद देंगे और प्रेरित करेंगे। उन्होंने छात्रों को यह ध्यान रखने की सलाह दी कि हमारी परंपराओं में जो कुछ भी वैज्ञानिक और उपयोगी है, उसे स्वीकार किया जाना चाहिए और जो कुछ भी रूढ़िवादी, अन्यायपूर्ण और उपयोगहीन है, उसे अस्वीकार किया जाना चाहिए। विवेक को सदैव जागृत रखा जाना चाहिए।

विपक्ष के विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता की खुशफहमी में रह सकते हैं लेकिन लोगों को उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहना चाहिए क्योंकि 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती।

प्रधानमंत्री सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उस पोस्ट का शीर्षक था 'मेल्टडाउन-ए-आजम' और इसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आने के बाद हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय विभाजन को भड़काने और मतदाताओं का अपमान करने के लिए 'बहाने' और 'पारिस्थितिकी तंत्र' के

कथित प्रयासों का हवाला दिया गया है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में जीत मिली है और इसे उसके लिए सांत्वना जैसा बताया जा रहा है।

मोदी ने पोस्ट में कहा, ''वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता में खुश रहें। लेकिन... उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें। 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं छूट सकती। साथ ही, लोगों की बुद्धिमत्ता ऐसी है कि उन्हें आने वाले कई और 'मेल्टडाउन' (तगड़े झटकों) के लिए तैयार रहना होगा।''

किसी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की ओर से की गई यह अभिव्यक्ति लीक से हटकर थी क्योंकि उन्होंने इस जवाब में सोशल मीडिया आक्रामकता की अभिव्यक्ति वाले इमोजी भी पोस्ट किए हैं जो कि आमतौर पर ऐसा नहीं करते हैं।

भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री का पोस्ट दर्शाता है कि पार्टी ने हाल के महीनों में सोशल मीडिया पर अपनी पहुंच बढ़ा दी है। एक नेता ने कहा, ''प्रधानमंत्री का यह पोस्ट चौंकाने वाला नहीं है। यह आक्रामक है और विपक्षी पारिस्थितिकी तंत्र पर हमला है।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों से सोशल मीडिया पर भाजपा की सामग्री के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। उनके मुताबिक पार्टी के अभियान और सोशल मीडिया की सामग्री में आक्रामक स्वर और तेवर देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई इंस्टाग्राम रीलों को 15 लाख बार देखा गया।

'इंडिया' गठबंधन के प्रमुख नेताओं की बैठक अब दिसंबर के तीसरे सप्ताह में होगी

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के कुछ घटक दलों के प्रमुख नेताओं की अनुपलब्धता के चलते बुधवार को होने वाली गठबंधन की बैठक फिलहाल स्थगित कर दी गई है तथा यह अब इस महीने के तीसरे सप्ताह में होगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यालय के संबद्ध और कांग्रेस कार्य समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य गुरदीप सप्पल का कहना है कि अब छह दिसंबर की शाम छह खरगे के आवास पर इंडिया गठबंधन के (घटक दलों) के संसदीय दल के नेताओं की 'समन्वय बैठक' होगी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इंडिया गठबंधन के (घटक दलों) के संसदीय दल के नेताओं की समन्वय बैठक 6 दिसंबर 2023 को शाम छह बजे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के आवास पर होगी। इसके बाद पार्टी अध्यक्षों/ प्रमुख नेताओं की बैठक दिसंबर के तीसरे सप्ताह में सभी के लिए सुविधाजनक तिथि को निर्धारित की जाएगी।''

खालिस्तानी आतंकवादी लखबीर सिंह रोडे की दिल का दौरा पड़ने से मौत

नई दिल्ली/भाषा। भारत के 'सर्वाधिक वांछित' अपराधियों में शामिल खालिस्तानी आतंकवादी और जरनैल सिंह भिंडरावाले के भतीजे लखबीर सिंह रोडे की पाकिस्तान में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि खालिस्तानी अलगाववादी आंदोलन के पीछे 72 वर्षीय रोडे का दिमाग था। सैन्य कार्रवाई में 1984 में भिंडरावाले की मौत के बाद उसका यह भतीजा पाकिस्तान भाग गया था। अधिकारियों ने बताया कि सिंह का पैतृक गांव मोगा जिले के रोडे में था। सिंह की दिल का दौरा पड़ने से रावलपिंडी के एक अस्पताल में मौत हो गई। कुछ खबरों के मुताबिक उसकी मौत सोमवार को हुई।

ईडी की कार्रवाई के बाद

15,000 करोड़ रुपये सरकारी बैंकों को वापस मिलेः वित्तमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन रोकथाम कानून के तहत कार्रवाई करते हुए 15,186.64 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है तथा इनमें से लगभग सभी राशि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस लौटा दी गई है। वित्त मंत्री ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब देते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऋणों का भुगतान नहीं करने वालों, खासकर जानबूझकर कर ऐसा करने वालों, के खिलाफ विभिन्न कानूनी प्रावधानों के जरिए कार्रवाई की जा रही है और उसके फलस्वरूप, बड़ी मात्रा में धनराशि बैंकों को वापस मिल रही है। सीतारमण ने कहा कि 31 मार्च, 2023 तक 13,978 ऋण खातों के खिलाफ वसूली के लिए कानूनी मुकदमे दायर किए गए जबकि 11,483 मामलों में 'सरफेसी' कानून के तहत कार्रवाई शुरू की गई है, वहीं 5,674 मामलों में प्राथमिकी दर्ज की गई है और कुल 33,801 करोड़ रुपये की वसूली हुई है। वित्त मंत्री ने कहा, एक दिसंबर, 2023 तक, धनशोधन कानून के तहत 15,186.64 करोड़ रुपये की संपत्ति ईडी ने जब्त की है, जिसमें से 15,183.77 करोड़ रुपये सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस कर दिए गए हैं।

'एक निशान, एक प्रधान, एक संविधान' कोई राजनीतिक नारा नहीं था : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि देश में 'एक ध्वज, एक प्रधानमंत्री, एक संविधान' की अवधारणा कोई राजनीतिक नारा नहीं है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस सिद्धांत में दृढ़ता से विश्वास करती है तथा उसने जम्मू कश्मीर में आखिरकार यह कर दिखाया है।

लोकसभा में तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सौगत राय ने कहा कि देश में 'एक निशान, एक प्रधान, एक संविधान' एक 'राजनीतिक नारा' था। इस पर शाह ने आश्चर्य जताया कि एक देश में दो प्रधानमंत्री, दो संविधान और दो ध्वज कैसे हो सकते हैं। उन्होंने राय की टिप्पणियों को 'आपत्तिजनक' करार दिया।

विपक्षी सदस्यों की एक टिप्पणी का जवाब देते हुए, शाह ने कहा, ''जिसने भी यह किया था, वह गलत था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे सही किया है। आपकी सहमति या असहमति कोई मायने नहीं रखती। पूरा देश यह चाहता था।''

शाह की यह टिप्पणी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के स्पष्ट संदर्भ में की गई थी। उन्होंने आगे कहा कि ''एक निशान, एक प्रधान, एक संविधान'' कोई चुनावी नारा नहीं था। उन्होंने कहा, ''हम 1950 से कहते आ रहे हैं कि एक देश में एक प्रधानमंत्री, एक (राष्ट्रीय) ध्वज और एक संविधान होना चाहिए और हमने ऐसा किया है।''

बिरला ने सांसदों को लोकसभा में तख्तियां लाने के प्रति आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों को सदन में तख्तियां लाने के प्रति आगाह करते हुए मंगलवार को कहा कि सदन में गरिमा और अनुशासन बनाए रखने की जरूरत है।

अध्यक्ष की यह टिप्पणी बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद दानिश अली के गले में तख्ती लटकाकर सदन में आने की घटना के एक दिन बाद आई है।

अली अपने खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रमेश बिधूड़ी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करते हुए गले में तख्ती लटकाकर सोमवार को सदन आए थे। बिरला ने कहा, ''कल (सोमवार को) कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच इस बात पर सहमति बनी कि वे नये संसद भवन में तख्तियां लेकर नहीं आएंगे। मैं सभी से संसद में गरिमा और अनुशासन बनाए रखने की अपील करता हूं। (अन्यथा) मुझे तख्तियां लाने वाले सांसदों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी।'' अली ने सोमवार को अपने गले में एक तख्ती लटकाकर विरोध जताया। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसे अध्यक्ष के संज्ञान में लाते हुए उनसे अनुरोध किया कि वह अली को तख्ती हटाने के लिए कहें।

इसके बाद बिरला ने दानिश अली से कहा था कि सदन में तख्तियां लेकर आना संसदीय नियमों के खिलाफ है। उन्होंने बसपा सांसद को तुरंत सदन से बाहर जाने को कहा। उन्होंने कहा था, ''मैं हर सदस्य से अपील करता हूं कि वे सदन के नियम न तोड़ें। मैं उम्मीद करता हूं कि आप सभी सदन की मर्यादा बनाए रखेंगे और सकारात्मक सोच के साथ आएंगे।''

हालांकि, अली ने बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अपना विरोध जारी रखा था।

बिड़ला ने कहा था, 'मैं किसी को भी तख्तियां लेकर सदन में आने की इजाजत नहीं दूंगा।' इसके साथ ही उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी थी।

शेयर बाजार में लगातार छठे दिन उछाल, सेंसेक्स 69,000 अंक के पार, निफ्टी का भी नया रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में तेजी मंगलवार को लगातार छठे कारोबारी सत्र में भी जारी रही और बीएसई सेंसेक्स 431 अंक उछलकर नये रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिजली समेत अन्य कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 431.02 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ नये रिकॉर्ड स्तर 69,296.14 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 168.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत की तेजी के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 20,855.30 अंक पर बंद हुआ।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मंगलवार को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर 350 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। विश्लेषकों ने कहा कि पिछले सप्ताह जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) और अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के बेहतर रहने से जो सकारात्मक धारणा बनी थी, उसे विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह तथा विधानसभा चुनावों के नतीजों से और मजबूती मिली। तीन राज्यों...मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के नतीजों से देश में राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद बढ़ी है। साथ ही, निवेशक यह उम्मीद कर रहे हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर को यथावत रखेगा। मौद्रिक नीति घोषणा शुक्रवार को की जाएगी।

सेंसेक्स की कंपनियों में पावर ग्रिड 4.46 प्रतिशत, एनटीपीसी 3.89 प्रतिशत, एसबीआई 2.31 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 2.28 प्रतिशत मजबूत हुए। लाभ में रहने वाली अन्य कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन और मारुति शामिल हैं।

दूसरी तरफ हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस 1.49 प्रतिशत तक नुकसान में रहे।

सेंसेक्स के तीस शेयरों में से 20 लाभ में रहे जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 32 लाभ में रहे।

शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को 2,073.21 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका में इस सप्ताह रोजगार के आंकड़े जारी होने से पहले दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में जहां सतर्कता का रुख है, वहीं घरेलू बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहा और दोनों मानक सूचकांक नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गये। राज्यों में विधानसभा चुनावों के परिणाम और जीडीपी वृद्धि का आंकड़ा उम्मीद से अधिक रहने जैसे कारणों से बाजार में तेजी बनी हुई है। इससे भारतीय बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों का पूंजी प्रवाह भी हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा में यथास्थिति बनाये रखने की संभावना है। हालांकि, आर्थिक वृद्धि, खाद्य वस्तुओं के दाम और मुद्रास्फीति को लेकर टिप्पणी पर निवेशकों की नजर होगी।'' एशिया के अन्य बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग और जापान का निक्की नुकसान में रहे।

यूरोप के बाजारों में शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिका बाजार में सोमवार को मिला-जुला रुख था।

इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.81 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा: एसएंडपी

नई दिल्ली/भाषा। भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा और वित्त वर्ष 2026-27 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि सात प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को यह बात कही। एसएंडपी का मानना है कि देश के लिए एक बड़ी परीक्षा 'विशाल अवसर' का लाभ उठाकर खुद को अगला बड़ा वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने की है। एसएंडपी की रिपोर्ट 'ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024: न्यू रिस्क, न्यू प्लेबुक' में कहा गया है कि मार्च 2024 यानी चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। 2026 में इसके सात प्रतिशत पहुंचने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। भारत की सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि जून और सितंबर तिमाही में क्रमशः 7.8 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत रही थी। एजेंसी के अनुसार '' भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि यह अगले तीन वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होगा। सबसे बड़ी परीक्षा यह है कि क्या भारत अगला बड़ा वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन सकता है, जो एक बहुत बड़ा अवसर है।''

स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश पर काम कर रही मोदी सरकार : तोमर ने लोकसभा में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि कृषि सुधारों को लेकर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट संप्रग सरकार के दौरान आई थी लेकिन नरेन्द्र मोदी नीत राजग सरकार ने इसकी सिफारिशों पर काम करना शुरू किया और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) उत्पाद लागत से 50% अधिक तय किया।

तोमर ने कहा कि केंद्र के तीन कृषि कानूनों (वापस लिए जा चुके) के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के बाद एमएसपी समेत अनेक मुद्दों पर अध्ययन के लिए समिति का गठन किया गया था जो अब तक 30 से 35 बैठकें कर चुकी है। उन्होंने कहा, ''समिति की सिफारिशें अभी नहीं आई हैं।'' वह प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य अधीर रंजन चौधरी के एक पूरक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। चौधरी ने पूछा था कि क्या केंद्र ने एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने की किसानों की मांग पर कोई निर्णय लिया है। तोमर ने कहा कि स्वामीनाथन आयोग ने 201 सिफारिशें की थीं। उन्होंने कहा कि इनमें से राजग सरकार 100 पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ''लेकिन मुख्य सिफारिश एमएसपी पर थी। स्वामीनाथन ने कहा था कि लागत पर 50% मुनाफा जोड़कर एमएसपी घोषित की जानी चाहिए।'' कृषि मंत्री ने कहा, ''2014 तक संप्रग सरकार थी। संप्रग के शासन में इस सिफारिश पर विचार नहीं किया गया। नरेन्द्र मोदी सरकार आई तो आयोग की सिफारिश पर काम शुरू हो गया। आज लागत दर पर 50% लाभ जोड़कर एमएसपी घोषित की जाती है।''

पीएम-किसान योजना के तहत सालाना 6,000 रुपये की राशि को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं: तोमर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली राशि को मौजूदा 6,000 रुपये प्रतिवर्ष से बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तोमर ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में लोकसभा को बताया, ''इस समय पीएम-किसान योजना की राशि 6,000 रुपये से बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।'' केंद्र सरकार ने दिसंबर 2018 में इस योजना को लागू किया था जिसके तहत किसानों के बैंक खातों में हर साल 6,000 रुपये की राशि 2,000 रुपये की तीन किस्तों में हस्तांतरित की जाती है। तोमर ने अपने उत्तर में यह भी बताया कि केंद्र ने अब तक 11 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में 2.81 लाख करोड़ रुपये इस योजना के तहत 'प्रत्यक्ष लाभ अंतरण' (डीबीटी) माध्यम से हस्तांतरित किए हैं।

बीएसएफ के आईजी ने कश्मीर में एलओसी का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कश्मीर के महानिरीक्षक अशोक यादव ने मंगलवार को बीएसएफ की शीतकालीन तैयारियों की समीक्षा करने के लिए जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम चौकियों का दौरा किया।

बीएसएफ ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''अशोक यादव आईपीएस, आईजी बीएसएफ कश्मीर ने अत्यंत कठिन मौसमी चुनौतियों से निपटने को लेकर इकाई की रणनीतिक तैयारी सुनिश्चित करने के लिए कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के साथ आगे के क्षेत्रों का दौरा किया।

उन्होंने सभी रैंकों के अधिकारियों के साथ बातचीत की और उनके पेशेवर रुख एवं कार्य के प्रति समर्पण की सराहना की।''

सर्दियों के दौरान भारी बर्फबारी के कारण नियंत्रण रेखा पर प्राकृतिक दर्रों के बंद होने से पहले पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से आतंकवादियों की घुसपैठ की आशंका अधिक रहती है।

कश्मीर में ठंड का प्रकोप बढ़ा, कई स्थानों पर पारा शून्य से नीचे

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर में घाटी के ज्यादातर हिस्सों में पारा शून्य से नीचे चले जाने के साथ ही ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अमरनाथ यात्रा के आधार शिविरों में शामिल दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम में पारा शून्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। यह सोमवार रात को घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा।

अधिकारियों ने बताया कि बारामूला जिले में गुलमर्ग में तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि श्रीनगर में पांच दिन में पहली बार न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि काजीगुंड में शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले शून्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया था। दक्षिण कश्मीर में कोकेरनाग शहर घाटी में इकलौता स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान शून्य से अधिक 0.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि कुपवाड़ा में शून्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस नीचे तापमान दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान कार्यालय ने बताया कि आसमान में सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे लेकिन मौसम 10 दिसंबर तक मुख्यत: शुष्क रहेगा।

शांति की शुरुआत हर एक मनुष्य से होती है : प्रेम रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। जाने माने शिक्षक, बेस्टसेलर लेखक और मानवतावादी प्रेम रावत ने राज विद्या केंद्र, छत्तरपुर में आयोजित एक विशाल कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को शांति का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के स्थानीय निवासियों के अलावा हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब आदि कई निकटवर्ती राज्यों से लोग आये हुए थे और स्थानीय मीडिया, छात्रगण और जीवन के सभी क्षेत्रों से संबंधित गणमान्य व्यक्तियों के अलावा विदेशों से आए अतिथि भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान, प्रेम रावत ने खुद को जानने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वो यहां जटिल चीजों को सरल बनाने के लिए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि जीवन में सभी चीजों की दो अलग-अलग प्रकृति होती है। एक वह जो आपको अपने करीब लाती है और दूसरी वह जो आपको खुद से दूर ले जाती है। प्रेम रावत ने एक कहानी के माध्यम से इस बात पर जोर दिया कि हमें जीवन में उन चीजों को महत्व देना चाहिए जो हमें खुद के करीब लाने में मदद करती हैं। तभी हमारे जीवन में शांति और आनंद आएगा। प्रेम के अनुसार, शांति एक ऐसी चीज़ है जिसका अनुभव प्रत्येक मनुष्य को अपने हृदय में करना चाहिए। यदि लोग शांति का सम्मान करना शुरू कर दें, तो शांति अवश्य होगी। जिस शांति की हम तलाश कर रहे हैं वह हमारे भीतर है और हम उसे वहीं पा सकते हैं। इस गूढ़ किन्तु सरल संदेश को उपस्थित श्रोताओं ने मंत्रमुग्ध होकर सुना।

कांग्रेस को यह तय करना होगा कि राहुल गांधी भाजपा से मुकाबला करेंगे या एलडीएफ से : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर (केरल)/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने मंगलवार को कहा कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में वायनाड से राहुल गांधी को उम्मीदवार बना कांग्रेस को यह तय करना होगा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ेगी या एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) से। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और एलडीएफ दोनों विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवेलपमेंट इन्क्लूसिव एलायंस) का हिस्सा हैं जिसे अगले साल होने वाले आम चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए बनाया गया है।

विजयन ने कहा कि अगर गठबंधन की जरूरत नहीं है तो फिर केरल में कांग्रेस और एलडीएफ के बीच मुकाबला होगा। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि एलडीएफ वायनाड में अपना उम्मीदवार खड़ा करेगी। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''कांग्रेस को यह तय करना होगा कि राहुल गांधी को केरल में भाजपा के खिलाफ लड़ना है या एलडीएफ के खिलाफ । क्या केरल में आप यह कह सकते हैं कि आप भाजपा से लड़ रहे हैं या प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं?'' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन यह तय नहीं करेगा कि सदस्य दल कहां अपने उम्मीदवार खड़े करेंगे। उनकी यह टिप्पणियां तब आयी है जब एक दिन पहले केरल में सत्तारूढ़ माकपा ने राहुल गांधी के वायनाड से चुनाव लड़ने के कथित फैसले की आलोचना की।

ईडी ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ धन शोधन मामले में हरियाणा, राजस्थान में छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ धन शोधन की जांच के सिलसिले में मंगलवार को हरियाणा तथा राजस्थान में कई स्थानों पर छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

केंद्रीय जांच एजेंसी धन शोधन रोकथाम कानून के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच के तहत दो राज्यों में करीब 12 स्थानों पर तलाशी ले रही है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए), हरियाणा पुलिस और कुछ अन्य राज्य की पुलिस ने बिश्नोई और उसके साथी सतविंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की हैं और आरोप पत्र दाखिल किए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने इन्हीं प्राथमिकियों एवं आरोप पत्रों के आधार पर कार्रवाई की है। अभी जेल में बंद बिश्नोई पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले के आरोपियों में से एक है। प्रवर्तन निदेशालय इन आरोपों की जांच कर रहा है कि बिश्नोई और उसके गिरोह के सदस्य वसूली और मादक पदार्थ तथा हथियारों की तस्करी के जरिए भारत में जुटायी रकम कनाडा तथा अन्य देशों में भेज रहे थे जिसका इस्तेमाल खालिस्तान समर्थक कर रहे थे। पंजाब के फाजिल्का का रहने वाला बिश्नोई 2014 के बाद से जेल में बंद है। उसे राजस्थान पुलिस के साथ एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उसे 2021 में दिल्ली की तिहाड़ जेल लाया गया। बाद में 14 जून 2022 को पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था और उसे 29 मई को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के संबंध में पंजाब ले जाया गया।

बीते वर्ष आर्थिक अपराध मामलों में महानगरों में मुंबई शीर्ष पर

मुंबई/भाषा। देश की वित्तीय राजधानी मुंबई में बीते साल आर्थिक अपराध के 6,960 मामले रिकॉर्ड किये गये। यह किसी भी महानगर में दर्ज ऐसे मामलों में सर्वाधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली। गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में साइबर अपराध के मामले भी पिछले साल 2022 में बढ़कर 4,724 हो गए, जो 2021 में 2,883 थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल आर्थिक अपराध के 6,015 मामलों के साथ हैदराबाद दूसरे स्थान पर और दिल्ली (5,007) तीसरे स्थान पर थी। इसमें कहा गया है कि मुंबई में दर्ज कुल आर्थिक अपराधों में से 1,093 मामले आपराधिक विश्वास हनन के थे, जबकि जालसाजी और धोखाधड़ी के 5,855 थे।

पिछले साल आपराधिक विश्वास हनन के कारण महानगरों में संपत्ति के नुकसान के विश्लेषण के अनुसार, कम से कम 18 मामले 10 करोड़ रुपये से 15 करोड़ रुपये के बीच, सात मामले 25 करोड़ रुपये से 50 करोड़ रुपये के बीच, छह मामले 50 करोड़ रुपये से लेकर 100 करोड़ रुपये तक और एक मामला 100 करोड़ रुपये से ऊपर का था। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, साइबर अपराधों के पंजीकरण के मामले में, 2022 में 8,249 ऐसे मामलों के साथ महाराष्ट्र चौथे स्थान पर था। जबकि इस सूची में तेलंगाना शीर्ष पर था। तेलंगाना में ऑनलाइन अपराधों की श्रेणी के तहत 15,297 प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। कर्नाटक साइबर अपराध के 12,556 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर जबकि उत्तर प्रदेश 10,117 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर था।

25 राज्यों में भूजल में आर्सेनिक, 27 राज्यों में फ्लोराइड पाया गया : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने संसद को बताया कि 25 राज्यों के 230 जिलों के कुछ हिस्सों में भूजल में आर्सेनिक और 27 राज्यों के 469 जिलों में भूजल में फ्लोराइड पाया गया है। जल शक्ति राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने राज्यसभा को यह जानकारी देते हुए कहा कि केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) ने भूजल में संदूषण की खबर दी है जिसकी प्रकृति ज्यादातर भूगर्भिक है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं देखा गया है।

उनके अनुसार, इसका अर्थ है कि ये घटक पहले से ही चट्टान या मिट्टी में हैं और विभिन्न रासायनिक प्रक्रियाओं के माध्यम से भूजल में मिल जाते हैं। उन्होंने कहा कि समय के साथ प्रदूषकों की सांद्रता में वृद्धि होने के संबंध में कोई निर्णायक सबूत नहीं है। सीजीडब्ल्यूबी जल शक्ति मंत्रालय के तहत आता है और आर्सेनिक तथा फ्लोराइड के भूजल में संदूषण सहित भूजल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी और मूल्यांकन करता है। टुडू ने बताया कि बोर्ड ने अन्य संस्थानों के साथ मिलकर विभिन्न अध्ययन किए हैं जो विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपयोग के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित अनुमेय सीमा से परे भूजल में आर्सेनिक और फ्लोराइड की उपस्थिति का संकेत देते हैं। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 25 राज्यों के 230 जिलों के कुछ हिस्सों में भूजल में आर्सेनिक और 27 राज्यों के 469 जिलों में भूजल में फ्लोराइड पाए जाने की सूचना मिली है। सीजीडब्ल्यूबी ने राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच) के साथ मिलकर 2010 में ''भारत में भूजल संकट का शमन और समाधान: एक विजन दस्तावेज़'' पर एक रिपोर्ट तैयार की और इसे मार्गदर्शन और निष्पादन के लिए विभिन्न संबंधित एजेंसियों और विभागों को भेजा गया है। हाल ही में, सीजीडब्ल्यूबी ने आठ राज्यों - पंजाब, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार और असम - पर ध्यान केंद्रित करते हुए आर्सेनिक और फ्लोराइड सहित भूजल संदूषण के अध्ययन के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

राज्य विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत 'इंडिया' गठबंधन की हार नहीं : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत 'इंडिया' गठबंधन की हार नहीं है, क्योंकि विपक्षी दलों ने साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने मप्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को रविवार को करारी शिकस्त देकर हिंदी भाषी राज्यों में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।

अब्दुल्ला ने दादा शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की 118वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद कहा, ''इंडिया गठबंधन नाकाम नहीं हुआ है, कांग्रेस इन चुनावों में कुछ हद तक असफल रही और यह इसका कारण बखूबी जानती है।'' उन्होंने कहा, ''ये चुनाव गठबंधन के तहत नहीं लड़े गए। दलों ने अलग-अलग लड़ा। कांग्रेस, सपा, आप और अन्य दलों ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। इसलिए, मैं इसे इंडिया गठबंधन की हार के रूप में नहीं देखता, क्योंकि हमने गठबंधन के तहत नहीं चुनाव लड़ा।''

तमिलनाडु: मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हुई, चेन्नई में राहत कार्यों में नौका व ट्रैक्टर का उपयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तरी तटीय तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' के कारण चेन्नई और आसपास के जिलों में सोमवार से हो रही भारी बारिश के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इसके साथ ही मंगलवार को शहर और उसके आसपास के जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बारिश से संबंधित घटनाओं में घायल हुए 11 अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। शहर भर के बारिश प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को अंजाम देने के लिए अनेक जिला आपदा मोचन दलों (डीडीआरटी) का गठन किया गया है।

शहर के बाहरी क्षेत्र में मुथियालपेट इलाके में 54 परिवारों को बचाया गया और एक महिला को उसके नवजात के साथ शहर के सालिग्रामम से एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया। निचले इलाकों से 250 से अधिक लोगों को कोट्टूरपुरम के एक स्कूल में बनाए गये शिविर में रखा गया है। इसके अलावा, एक बस के बारिश के पानी में फंसे 22 यात्रियों को पल्लावरम के माध्यमिक स्कूल में स्थापित राहत शिविर में स्थानांतरित किया गया।

चेन्नई के अधिकांश इलाकों में मंगलवार को सुबह से बारिश का असर कम रहा, जिससे अधिकारियों को बचाव और राहत कार्य तेज करने के लिए समय मिल गया है। चेन्नई के निगम मुख्यालय में मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि राहत कार्य युद्ध स्तर पर किये जा रहे हैं। स्टालिन ने बताया कि मूसलाधार बारिश से प्रभावित चेन्नई सहित नौ जिलों में कुल 61,666 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जिनमें अब तक भोजन के लगभग 11 लाख पैकेट और दूध के एक लाख पैकेट वितरित किये जा चुके हैं। चेन्नई नगर निगम ने राहत कार्यों के लिए अन्य जिलों से पांच हजार श्रमिकों को बुलाया है। ये श्रमिक बचाव कार्य और राहत सामग्री वितरित करने के लिए उत्तरी चेन्नई के पेरियामेट और जलभराव वाले इलाकों में ट्रैक्टर और नौकाओं का उपयोग कर रहे हैं।

चेन्नई में चरणबद्ध तरीकों से बिजली आपूर्ति को बहाल किया जा रहा है, उपनगरीय शहर तांबरम, अशोक नगर, कट्टुपक्कम और पेरूंगुडी सहित कई इलाकों के लोगों ने बारिश रुकने के बावजूद बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने की शिकायत की है।

अशोक नगर निवासी मुकेश ने कहा कि इलाके की मुख्य सड़कों से पानी उतर गया है, लेकिन बिजली आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हुई है। शहर के मुख्य बाहरी बस टर्मिनस के पास कोयमाबेडु में रह रहे 'पीटीआई' चेन्नई के उप समाचार संपादक एवं एनी थॉमस ने कहा, पिछली बार (2015) जलभराव के कारण तीन दिनों तक फंसे रहने के बाद हम कमर से नीचे तक के पानी में उतरे और वहां से निकलकर एक दिन 'सर्विस अपार्टमेंट' में रुके और इसके बाद दो दिन एक मित्र के घर पर ठहरे। उन्होंने यह भी कहा, हमारे अपार्टमेंट परिसर के चारो ओर जलभराव है। हम दूसरी मंजिल पर हैं। बिजली की आपूर्ति नहीं हो रही है और मैं जितना संभव हो सके अपने फोन की बैटरी बचा रहा हूं। मुझे नहीं पता कि नल से जल की आपूर्ति कब होगी। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा कि बिजली आपूर्ति चरणबद्ध तरीके से बहाल की जा रही है। उन्होंने कहा कि 2015 की बाढ़ (जब अन्नाद्रमुक सत्ता में थी) की तुलना में स्थिति को काफी बेहतर तरीके से संभाला गया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, बारिश से संबंधित घटनाओं में जान गंवाने वाले 12 लोगों में फोरशोर एस्टेट की एक 60 वर्षीय महिला और इंटीग्रल कोच फैक्टरी पुलिस थाने में हेड कांस्टेबल के तौर पर काम करने वाला एक 48 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं। आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया कि भारी बारिश के कारण एक अस्थायी जनरेटर कक्ष ढह जाने से फंसे तीन लोगों को बचा लिया गया। इसके अलावा, अड्यार में एक घर के पानी के डूब जाने के बाद परिवार के तीन सदस्यों का सुरक्षित बाहर निकाला गया। विज्ञप्ति में बताया गया कि बारिश के कारण लगभग 16 भूमिगत पैदल पारपथ बंद हैं और 60 स्थानों पर गिरे पेड़ों को हटा दिया गया है।

चक्रवात 'मिगजॉम' : बचाव अभियान के लिए दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में एनडीआरएफ की 29 टीम तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' के मद्देनजर बचाव और राहत अभियान चलाने के लिए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और पुडुचेरी में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की कुल 29 टीम तैनात की गई हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

तमिलनाडु में एनडीआरएफ की 14 टीम (चेन्नई में पांच), आंध्र प्रदेश में 11, तेलंगाना में एक और पुडुचेरी में तीन टीम तैनात की गई हैं। एनडीआरएफ के अधिकारी ने बताया, हमारा ध्यान आंध्र प्रदेश पर है क्योंकि चक्रवात वहां समुद्र तट से टकराएगा और हवा की तेज रफ्तार के कारण कई पेड़ एवं खंभे उखड़ सकते हैं तथा अन्य बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचेगा, जिससे संचार और बिजली आपूर्ति अवरूद्ध हो जाएगी। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ प्रभावित लोगों के लिए बचाव और राहत अभियान शुरू करने के लिए भी तैयार है। अधिकारी ने कहा कि लकड़ी एवं पोल कटर से लैस और नौकाओं के साथ बचाव दल पहले से ही तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में मार्ग-साफ करने का काम कर रहे हैं, जहां मंगलवार सुबह चक्रवात ने कहर बरपाया था। एनडीआरएफ के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कुछ अतिरिक्त टीम को तैयार रखा गया है और राज्य सरकारों द्वारा मांग किए जाने पर उन्हें प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जाएगा। मंगलवार को चेन्नई और उसके आसपास बारिश से संबंधित विभिन्न घटनाओं में 12 लोगों की जान चली गई, शहर और उसके आसपास के जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों के अनुसार, बारिश से संबंधित घटनाओं में 11 लोग घायल हो गए और विभिन्न अस्पतालों में उन्हें भर्ती कराया गया है।

तमिलनाडु की द्रमुक सरकार मिगजॉम चक्रवात के प्रभाव से निपटने में नाकाम रही : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने मंगलवार को तमिलनाडु की द्रमुक सरकार पर आरोप लगाया कि वह 'मिगजॉम' चक्रवात के प्रभाव से निपटने में नाकाम रही है। अमरावती मौसम विज्ञान केंद्र के एक अधिकारी ने कहा कि चक्रवाती तूफान दोपहर साढ़े 12 से दोपहर ढाई बजे के बीच 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति वाली हवाओं के साथ बापटला जिले के पास आंध्र प्रदेश तट को पार कर गया। चेन्नई और उसके आसपास चक्रवात मिगजॉम के कारण हुई बारिश संबंधी विभिन्न घटनाओं में 12 लोगों की मौत हो गई है। मछली पकड़ने वाली नौकाओं और कई ट्रैक्टर पर सवार कर्मी मंगलवार को फंसे हुए लोगों को बचाने में जुटे हुए थे।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अन्नाद्रमुक नेता और राज्यसभा के सदस्य एम थंबीदुरई ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में द्रमुक सरकार चक्रवात से उपयुक्त रूप से नहीं निपट सकी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चेन्नई के प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सभी प्रयास करेगी। थंबीदुरई ने कहा, द्रमुक सरकार चक्रवात से उपयुक्त रूप से नहीं निपट सकी।

तमिलनाडु सरकार ने राहत व बचाव कार्य के लिए केंद्र से मांगी 5,000 करोड़ रुपये की अंतरिम सहायता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई और राज्य के कुछ अन्य जिलों में लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अंतरिम केंद्रीय सहायता मांगी है।

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए द्रमुक के नेता तिरुचि शिवा ने कहा कि भीषण चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण भारी बारिश से चेन्नई और अन्य जिले जलमग्न हो गए हैं। चक्रवात के दस्तक देने से कुछ घंटे पहले आई बाढ़ में एक बच्चे सहित नौ लोगों की मौत हो गई। चेन्नई की सड़कों पर पानी भर जाने के कारण कारें बह गईं और हवाई अड्डे का संचालन बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा, लगातार बहते पानी के कारण सड़कें नदियां बन गई हैं और नदियां समुद्र की तरह हो गई हैं... सभी जल निकाय ओवरफ्लो हो रहे हैं। कई टैंक टूट गए हैं। राज्य सभा को सूचित करते हुए कि प्रकृति के प्रकोप के कारण सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं, शिवा ने कहा कि इससे आवश्यक आपूर्ति भी बाधित हुई है। मुख्यमंत्री स्टालिन और पूरा मंत्रिमंडल, नगर निगम के अधिकारी, दमकल विभाग, सफाई कर्मचारी, डॉक्टर, बचाव दल और बिजली विभाग लोगों को बचाने और राहत सामग्री मुहैया कराने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं।

बारिश रुकने के बाद चेन्नई हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र खुला

चेन्नई। चेन्नई में बारिश रुकने के बाद यहां के हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र (एयरफील्ड एरिया) मंगलवार सुबह नौ बजे से खोल दिया गया और एयरलाइनों और अन्य हितधारकों को विमान के संचालन की योजना बनाने के लिए सूचित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि बारिश थम गई है और चेन्नई हवाई अड्डा क्षेत्र में जलस्तर कम हो गया है। उन्होंने कहा कि रनवे या टैक्सीवे पर जलजमाव नहीं है तथा अन्य जगहों से कीचड़ व गंदगी को साफ किया जा रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि हवाईअड्डे पर फंसे यात्रियों को निकालने के लिए प्रस्थान यानी विमानों की रवानगी वाली उड़ानों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चेन्नई हवाई अड्डे पर 21 विमान रुके हैं तथा टर्मिनलों के अंदर लगभग 1500 यात्री हैं। अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे के विभिन्न आउटलेट में पर्याप्त मात्रा में भोजन तथा खाद्य सामग्री उपलब्ध है। चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' की वजह से सोमवार को चेन्नई और आसपास के इलाकों में भारी बारिश हुई, जिससे यहां के हवाई अड्डे के लिए हवाई सेवाएं बंद कर दी गईं।

तमिलनाडु, आंध्र के सांसदों की मांग: चक्रवात से नुकसान के आकलन के लिए केंद्रीय दल भेजा जाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। द्रमुक के नेता टी आर बालू और तेलगू देसम पार्टी (तेदेपा) के सांसद जयदेव गल्ला ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण तमिलनाडु एवं आंध्र प्रदेश में हुए नुकसान के आकलन के लिए जल्द केंद्रीय दल भेजा जाए तथा इन राज्यों को सहायता उपलब्ध कराई जाए। दोनों नेताओं ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई।

बालू ने तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान के असर का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र को दल भेजना चाहिए ताकि नुकसान का जायजा लिया जा सके। उनका कहना था, यह महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में इस पर चर्चा की थी। सत्ता पक्ष ने सहमति जताई थी कि इसे सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बालू ने कहा, केंद्र सरकार को आगे आना चाहिए, गृह मंत्री (अमित शाह) को सुनिश्चित करना चाहिए कि तमिलनाडु को पूरी मदद मिल सके। तेलुगू देसम पार्टी के जयदेव गल्ला ने कहा कि चक्रवात की वजह से हुई बारिश के कारण फसलों को बहुत नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा, राज्य सरकार इसका आकलन कर रही है कि कितना नुकसान हुआ है...मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से आग्रह करता हूं कि केंद्रीय दल भेजा जाए ताकि नुकसान का आकलन हो सके और सहायता राशि जारी की जा सके।

बारिश रुकने के बाद चेन्नई हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र खुला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में बारिश रुकने के बाद यहां के हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र (एयरफील्ड एरिया) मंगलवार सुबह नौ बजे से खोल दिया गया और एयरलाइनों और अन्य हितधारकों को विमान के संचालन की योजना बनाने के लिए सूचित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि बारिश थम गई है और चेन्नई हवाई अड्डा क्षेत्र में जलस्तर कम हो गया है। उन्होंने कहा कि रनवे या टैक्सीवे पर जलजमाव नहीं है तथा अन्य जगहों से कीचड़ व गंदगी को साफ किया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि हवाईअड्डे पर फंसे यात्रियों को निकालने के लिए प्रस्थान यानी विमानों की रवानगी वाली उड़ानों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चेन्नई हवाई अड्डे पर 21 विमान रुके हैं तथा टर्मिनलों के अंदर लगभग 1500 यात्री हैं। अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे के विभिन्न आउटलेट में पर्याप्त मात्रा में भोजन तथा खाद्य सामग्री उपलब्ध है।

केंदोत्सव

चिक्कमगलूर में मंगलवार को श्री वीरभद्रेश्वर स्वामी केंदोत्सव के दौरान भक्त अग्नि पर चलते हुए।

तमिलनाडु : मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हुई, चेन्नई में राहत कार्यों में नौका व ट्रैक्टर का उपयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। उत्तरी तटीय तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' के कारण चेन्नई और आसपास के जिलों में सोमवार से हो रही भारी बारिश के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इसके साथ ही मंगलवार को शहर और उसके आसपास के जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बारिश से संबंधित घटनाओं में घायल हुए 11 अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। शहर भर के बारिश प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को अंजाम देने के लिए अनेक जिला आपदा मोचन दलों (डीडीआरटी) का गठन किया गया है। शहर के बाहरी क्षेत्र में मुथियालपेट इलाके में 54 परिवारों को बचाया गया और एक महिला को उसके नवजात के साथ शहर के सालिग्रामम से एक सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया गया। निचले इलाकों से 250 से अधिक लोगों को कोट्टूरपुरम के एक स्कूल में बनाए गये शिविर में रखा गया है। इसके अलावा, एक बस के बारिश के पानी में फंसे 22 यात्रियों को पल्लावरम के माध्यमिक स्कूल में स्थापित राहत शिविर में स्थानांतरित किया गया।

चेन्नई के अधिकांश इलाकों में मंगलवार को सुबह से बारिश का असर कम रहा, जिससे अधिकारियों को बचाव और राहत कार्य तेज करने के लिए समय मिल गया है। चेन्नई के निगम मुख्यालय में मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि राहत कार्य युद्ध स्तर पर किये जा रहे हैं। स्टालिन ने बताया कि मूसलाधार बारिश से प्रभावित चेन्नई सहित नौ जिलों में कुल 61,666 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं, जिनमें अब तक भोजन के लगभग 11 लाख पैकेट और दूध के एक लाख पैकेट वितरित किये जा चुके हैं। चेन्नई नगर निगम ने राहत कार्यों के लिए अन्य जिलों से पांच हजार श्रमिकों को बुलाया है। ये श्रमिक बचाव कार्य और राहत सामग्री वितरित करने के लिए उत्तरी चेन्नई के पेरियामेट और जलभराव वाले इलाकों में ट्रैक्टर और नौकाओं का उपयोग कर रहे हैं। चेन्नई में चरणबद्ध तरीकों से बिजली आपूर्ति को बहाल किया जा रहा है, उपनगरीय शहर तांबरम, अशोक नगर, कट्टुपक्कम और पेरूंगुडी सहित कई इलाकों के लोगों ने बारिश रुकने के बावजूद बिजली आपूर्ति बहाल नहीं होने की शिकायत की है। अशोक नगर निवासी मुकेश ने कहा कि इलाके की मुख्य सड़कों से पानी उतर गया है, लेकिन बिजली आपूर्ति अभी तक बहाल नहीं हुई है। एनी थॉमस ने कहा, पिछली बार (2015) जलभराव के कारण तीन दिनों तक फंसे रहने के बाद हम कमर से नीचे तक के पानी में उतरे और वहां से निकलकर एक दिन 'सर्विस अपार्टमेंट' में रुके और इसके बाद दो दिन एक मित्र के घर पर ठहरे। उन्होंने यह भी कहा, हमारे अपार्टमेंट परिसर के चारो ओर जलभराव है। हम दूसरी मंजिल पर हैं।

प्रदर्शन

मंगलुरु के चंदे कलाकार मंगलवार को बेलगावी के सुवर्ण विधान सौधा में शीतकालीन विधानसभा सत्र के दौरान प्रदर्शन करते हुए।

तमिलनाडु सरकार ने राहत व बचाव कार्य के लिए केंद्र से मांगी 5,000 करोड़ रुपये की अंतरिम सहायता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई और राज्य के कुछ अन्य जिलों में लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अंतरिम केंद्रीय सहायता मांगी है। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता तिरुचि शिवा ने कहा कि भीषण चक्रवात 'मिगजॉम' के कारण भारी बारिश से चेन्नई और अन्य जिले जलमग्न हो गए हैं। चक्रवात के दस्तक देने से कुछ घंटे पहले आई बाढ़ में एक बच्चे सहित कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। चेन्नई की सड़कों पर पानी भर जाने के कारण कारें बह गईं और हवाई अड्डे का संचालन बंद कर दिया गया।

उन्होंने कहा, लगातार बहते पानी के कारण सड़कें नदियां बन गई हैं और नदियां समुद्र की तरह हो गई हैं... सभी जल निकाय ओवरफ्लो हो रहे हैं। कई टैंक टूट गए हैं। राज्य सभा को सूचित करते हुए कि प्रकृति के प्रकोप के कारण सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं, शिवा ने कहा कि इससे आवश्यक आपूर्ति भी बाधित हुई है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और पूरा मंत्रिमंडल, नगर निगम के अधिकारी, दमकल विभाग, सफाई कर्मचारी, डॉक्टर, बचाव दल और बिजली विभाग लोगों को बचाने और राहत सामग्री मुहैया कराने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं।

राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में घुसकर गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में अज्ञात मंगलवार को हमलावरों ने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी पर गोलियां चला दीं। पुलिस के अनुसार गोगामेड़ी की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि मंगलवार दोपहर को श्यामनगर इलाके में हुई इस गोलीबारी में एक हमलावर की भी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि गोगामेड़ी के घर के बाहर से एक व्यक्ति की स्कूटी छीनकर फरार हुए दोनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा,तीन लोग गोगामेड़ी के आवास पर गए और उन्होंने उनके सुरक्षाकर्मियों से कहा कि वे गोगामेड़ी से मिलना चाहते हैं। सुरक्षाकर्मी उन्हें अंदर ले गए जहां उन्होंने गोगामेड़ी से दस मिनट तक बातचीत की। इसके बाद, उन्होंने उन पर गोलियां चला दीं।

जोसेफ ने कहा कि गोगामेड़ी के सुरक्षाकर्मियों को भी गोली लगी, जबकि तीन आरोपियों में से एक नवीन सिंह शेखावत की भी गोलीबारी में मौत हो गई। उनके मुताबिक घटना के बाद दो हमलावर घर से बाहर निकले और एक व्यक्ति से स्कूटी छीनकर फरार हो गए।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि नवीन शेखावत ही उस गाड़ी को चला रहा था जिससे तीनों श्यामनगर में गोगामेड़ी के आवास पहुंचे थे । उनका कहना है कि प्राथमिक जानकारी के अनुसार नवीन शेखावत एक दुकान चलाता था। जोसफ ने बताया कि घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया,पूरी घटना सीसीटीवी में रिकार्ड हो गई। हम घटना में संलिप्त दो आरोपियों की पहचान करने और उनका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। हत्या की साजिश रचने वाले भी पकड़े जायेंगे।

इस घटना की खबर फैलते ही गोगामेड़ी के समर्थक और राजपूत समाज के लोग उनके घर और अस्पताल पहुंचने लगे। गोगामेड़ी के एक रिश्तेदार ने अस्पताल के बाहर संवाददाताओं से कहा कि उन्हें पहले भी धमकी दी गई थी और उन्हें हमले की आशंका थी। उन्होंने बताया कि धमकी के बारे में पुलिस को भी जानकारी दी गयी। रिश्तेदार ने कहा,हमलावर उनके घर गए और सुरक्षाकर्मी से कहा कि वे सुखदेव गोगामेड़ी से मिलना चाहते हैं। वह उन्हें ड्राइंग रूम में ले गये जहां उन्होंने गोलियां चलाईं। उन्होंने कहा 'गोगामेड़ी को काफी समय से धमकियां मिल रही थीं। पुलिस को आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करना चाहिए।

करणी सेना के संस्थापक और संरक्षक लोकेंद्र सिंह कालवी के साथ मतभेदों के बाद गोगामेड़ी 2015 में श्री राजपूत करणी सेना से अलग हो गए और उन्होंने श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना का गठन किया। इन दोनों संगठनों ने राजपूत समुदाय के संदर्भ में ऐतिहासिक तथ्यों से कथित छेड़छाड़ को लेकर फिल्म पद्मावत का विरोध किया था।

केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पुलिस अधिकारियों से आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने को कहा है। शेखावत ने 'एक्स' पर कहा, (मैं) राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के समाचार से स्तब्ध हूं।

इस संदर्भ में (मैंने) पुलिस आयुक्त से जानकारी ली है और उन्हें आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए कहा है। उन्होंने कहा लोगों को शांति और धैर्य रखना होगा। भाजपा सरकार के शपथ लेते ही राज्य को अपराध मुक्त करना हमारी अग्रणी प्राथमिकताओं में है।

गहलोत सरकार ने सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को सुरक्षा क्यों नहीं दी? : सीपी जोशी

जयपुर। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या पर शोक प्रकट करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि गोगामेड़ी की हत्या का समाचार सुनकर स्तब्ध हैं। प्रदेश में एक

अराजकता का माहौल पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कई बार पुलिस से आग्रह किया गया था, लेकिन उन्हे सुरक्षा क्यों नहीं दी गई यह जांच का विषय है। हमने इस हत्याकांड के बाद पुलिस के आला अधिकारियों से बात करके आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए कहा है, और प्रदेश में इस तरह के अपराधियों के लिए सख्त कानून बनाने की दिशा में भी प्रयास किये जाएंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रदेश में विगत पांच साल से जो गुंडाराज और अराजकता का माहौल था आज की घटना उसी का परिणाम है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद यह स्पष्ट देखा जा सकता है कि बदमाशों में किसी तरह का कोई खौफ ही नजर नहीं आ रहा।

भाजपा के करीब 25 नवनिर्वाचित विधायकों ने वसुंधरा राजे से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर अटकलों के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के करीब 25 नवनिर्वाचित विधायकों ने सोमवार को यहां पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से मुलाकात की। ये विधायक राजे के सिविल लाइंस स्थित आवास पर उनसे मिले। पार्टी को राज्य में बहुमत मिलने के बाद भाजपा आलाकमान इस समय नए मुख्यमंत्री चुनने की कवायद कर रहा है। ऐसे समय में विधायकों की राजे से इस मुलाकात को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों से करीब 25 विधायक अलग-अलग समय पर राजे से उनके आवास पर मिले। कई लोगों ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया जबकि कुछ ने यह भी संकेत दिया कि राजे को राज्य का नेतृत्व करना चाहिए। नसीराबाद से भाजपा विधायक रामस्वरूप लांबा ने वसुंधरा राजे से मुलाकात के बाद कहा,

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वसुंधरा राजे के काम की वजह से ही राजस्थान में भाजपा की वापसी हुई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी विधायक मुख्यमंत्री पद के लिए राजे का समर्थन करते हैं, तो उन्होंने कहा, राजे को सभी विजयी विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

राज्य के मुख्यमंत्री के नाम को लेकर जिन नामों को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं उनमें झालरापाटन सीट से विधानसभा चुनाव जीतने वाली राजे, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व अर्जुन मेघवाल, सांसद और हाल ही में विधायक बने बाबा बालकनाथ तथा दीया कुमारी शामिल हैं। हालांकि यह सिर्फ अटकलें हैं पार्टी ने इस बारे में कोई संकेत नहीं दिया है। केंद्रीय मंत्री शेखावत और मेघवाल ने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा। राज्य की कुल 200 में से 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ और मतों की गिनती रविवार को संपन्न हुई। इसमें भाजपा को 115 सीटों के साथ बहुमत मिला जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई।

सूत्रों के अनुसार भाजपा के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह और प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली में हैं। यहां पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि जोशी और अरुण सिंह ने आज दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके निवास और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से उनके कार्यालय में मुलाकात कर राज्य में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने पर राज्य की जनता एवं भाजपा परिवार की ओर से आभार प्रकट किया। सांसद शेखावत व बालक नाथ भी संसद सत्र के चलते दिल्ली में हैं।

राजस्थान में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक, नेता प्रतिपक्ष पर फैसला आलाकमान पर छोड़ा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस विधायक दल की बैठक मंगलवार को यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई। बैठक में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का नाम तय करने का फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। कांग्रेस महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बैठक के बाद बताया कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया जिसमें नेता प्रतिपक्ष का नाम तय करने के लिए पार्टी आलाकमान को अधिकृत किया गया है।

इस बैठक में निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, वरिष्ठ नेता सचिन पायलट के साथ ही पार्टी की ओर से नियुक्त विशेष पर्यवेक्षक भूपेंद्र सिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक एवं मधुसूदन मिस्त्री भी शामिल हुए। चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक के बाद पर्यवेक्षकों ने एक-एक कर विधायकों से बात की।

उल्लेखनीय है कि राज्य की 200 सदस्यीय विधानसभा की 199 विधानसभा सीट पर मतदान हुआ जिसके वोटों की गिनती रविवार को की गई। इसमें भाजपा को 115 सीट के साथ बहुमत मिला जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई। नतीजे आने के बाद अशोक गहलोत ने राज्यपाल कलराज मिश्र को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा सौंप दिया। बैठक के बाद गहलोत ने संवाददाताओं से कहा कि चुनाव परिणाम चौंकाने वाले रहे क्योंकि आम लोगों में यह धारणा थी कि राज्य में कांग्रेस की सरकार 'रिपीट' होगी। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी नतीजे अप्रत्याशित रहे।

गहलोत ने कहा,हम उम्मीद कर रहे थे कि कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी लेकिन नतीजे चौंकाने वाले रहे। कांग्रेस का वोट शेयर कम नहीं हुआ है जो भविष्य के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ कोई 'सत्ता विरोधी' लहर नहीं थी।

उन्होंने भाजपा के नेताओं पर झूठ की राजनीति करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा,भाजपा के नेताओं ने झूठ बोला। हम विकास और सरकार के कामकाज के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे थे जबकि भाजपा झूठ बोल रही थी। पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने कहा कि सभी लोगों ने बहुत मेहनत की इसके बावजूद कुछ कमियां रहीं और उसे स्वीकार करना होगा। उन्होंने कहा,क्या कमियां रहीं, उन्हें कैसे जा सुधारा जा सकता है, इस पर हमें ध्यान देना होगा। आत्ममंथन करना होगा। पिछले साल 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक नहीं हो पाने के घटनाक्रम संबंधी सवाल को पायलट ने यह कहते हुए टाल दिया कि वह वह उन विषयों में नहीं जाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि भविष्य में क्या करना है, इस पर पार्टी निर्णय करेगी। पत्रकारों ने उनसे पार्टी में युवा नेताओं को आगे बढ़ाने के बारे में पूछा तो पायलट ने यह भी कहा कि वह हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने के पक्ष में रहे हैं। उन्होंने कहा, युवाओं को बागडोर सौंपी जानी चाहिए ताकि हम युवा पीढ़ी को विश्वास में ले सकें।

अज्ञात वाहन की टक्कर तीन महिलाओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर जिले के हलैना थाना क्षेत्र में आगरा-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21 पर आज अज्ञात वाहन की चपेट में आने से तीन श्रद्धालु महिलाओं की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक तीनो महिलाएं बुलंदशहर से जयपुर में सत्संग में 40 अन्य श्रद्धालुओं के साथ बस में सवार हुई थी और हादसे के समय बस से उतरकर लघुशंका के लिए सड़क क्रॉस कर रही थी। मृतक महिलाओं के नाम मुन्नी (50), सरोज (55) और विमलेश (56) बताये गए है।

बताया गया कि श्रद्धालु महिलाओं ने लघुशंका के लिए बस को रुकवाया था। ड्राइवर ने अलसुबह बस को झालाटाला के पास रोका। इस दौरान बुलंदशहर में खदाना की रहने वाली मुन्नी एवं अनूपशहर की रहने वाली सरोज और विमलेश बस से उतर कर सड़क क्रॉस कर रही थी तभी तेज गति से किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

13 विधानसभा सीटों पर जीत के निर्णायक मतों से अधिक नोटा वोट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में 199 विधानसभा सीटों के लिए हुए मतदान में 13 विधानसभा क्षेत्रों मे विजयी रहे उम्मीदवारों के हारने वाले उम्मीदवारों के मतों के अंतर से अधिक नोटा में डाले गए वोट रहे। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, 13 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहां विजेता व हारे उम्मीदवार के बीच वोटों के अंतर से ज्यादा वोट नोटा में डाले गए। इस तरह की सीटों में नसीराबाद, कठूमर, बांसवाड़ा, बायतु, चौहटन, आसींद, जहाजपुर, कोटपूतली, हवामहल, भीनमाल, जायल, खींवसर व मावली शामिल है।

इस चुनाव में कुल 3,82,066 नोटा वोट डाले गए जो कुल मतदान का 0.96 प्रतिशत है। अगर 2018 के विधानसभा चुनाव की बात की

जाए तो यह प्रतिशत 1.3 रहा था। जिन सीटों पर जीत के अंतर से अधिक वोट नोटा में पड़े उनमें खींवसर भी शामिल है। यह सीट नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल ने भाजपा के उम्मीदवार रेवंत राम को 2,059 वोटों के मामूली अंतर से हराकर जीती जबकि इस सीट पर नोटा वोट की संख्या 2,130 रही। ऐसा ही एक और उदाहरण जयपुर शहर की हवा महल सीट का है। यहां भाजपा के बाल मुकुंदाचार्य ने कांग्रेस के आर आर तिवारी को 974 मतों से हराया। इस सीट पर पड़े नोटा वोटों की संख्या 1,463 रही।

इन 13 सीटों पर मतदाताओं द्वारा नोटा के इस्तेमाल से जहां भाजपा को आठ सीटों पर फायदा होता नजर आया वहीं कांग्रेस चार और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी एक सीट पर फायदे में रही। राज्य की कुल 200 में से 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ जिसके वोटों की गिनती रविवार को की गई। इसमें भाजपा को 115 सीटों के साथ बहुमत मिला जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई। तीन सीटें भारत आदिवासी पार्टी, दो सीटें बहुजन समाज पार्टी (बसपा), एक-एक सीट राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और आठ निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इसी सीट पर अब पांच जनवरी को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती आठ जनवरी को होगी।

मुख्यमंत्री को लेकर संसदीय बोर्ड का फैसला सभी को मान्य होगा : अरुण सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यपुर। राजस्थान में नए मुख्यमंत्री को लेकर जारी कयासों के बीच भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री के संबंध में पार्टी के संसदीय बोर्ड का फैसला सभी को मान्य होगा। अरुण सिंह यहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के आवास पर पहुंचे। जब पत्रकारों ने उनसे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा,केंद्रीय नेतृत्व जो फैसला लेगा, संसदीय बोर्ड जो फैसला लेगा, वही सबको मान्य होगा। सिंह बाद में पार्टी कार्यालय पहुंचे। जोशी भी पार्टी दफ्तर पहुंचे। पार्टी के कई नवनिर्वाचित विधायक पार्टी के कार्यालय पहुंचना शुरू हो गए हैं।

वहीं पार्टी के कुछ नवनिर्वाचित विधायकों द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से उनके आवास पर मुलाकात का दौर मंगलवार को भी जारी रहा। राजे को मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल माना जा रहा है। राजे खेमे के सूत्रों ने दावा किया कि कल से लेकर अब तक लगभग 50 नवनिर्वाचित विधायक राजे से उनके आवास पर मुलाकात कर चुके हैं। सूत्रों ने कहा,कल से लेकर लगभग 50 नवनिर्वाचित विधायक राजे से मिल चुके हैं। उनमें से कुछ ने आज मुलाकात की।

पार्टी को राज्य में बहुमत मिलने के बाद भाजपा

आलाकमान इस समय नया मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया में है। ऐसे समय में विधायकों की राजे से इस मुलाकात को शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। राजे से मिलने वाले विधायकों में से अनेक ने इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया, वहीं कुछ ने यह भी संकेत दिया कि राजे को राज्य का नेतृत्व करना चाहिए। नसीराबाद से भाजपा विधायक रामस्वरूप लांबा ने वसुंधरा राजे से मुलाकात के बाद सोमवार रात कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी और वसुंधरा राजे के काम की वजह से ही राजस्थान में भाजपा की वापसी हुई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी विधायक मुख्यमंत्री पद के लिए राजे का समर्थन करते हैं, तो उन्होंने कहा, राजे को सभी विजयी विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

सोमवार देर शाम तक करीब दो दर्जन विधायकों ने पूर्व मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। इनमें कालीचरण सराफ, बाबू सिंह राठौड़, प्रेम चंद बैरवा, गोविंद रानीपुरिया, कालू लाल मीणा, केके विश्नोई, प्रताप सिंह सिंघवी, गोपीचंद मीणा, बहादुर सिंह कोली, शंकर सिंह रावत, मंजू बाघमार, विजय सिंह चौधरी, पुष्पेंद्र सिंह और शत्रुघ्न गौतम आदि शामिल हैं। वहीं मंगलवार को जोगाराम पटेल, अरुण अमरा राम, अर्जुन गर्ग, संजीव बेनीवाल, अजय सिंह किलक राजे के आवास पर पहुंचे। पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजे 2003 से 2008 और 2013 से 2018 तक दो बार राजस्थान की मुख्यमंत्री रह चुकी हैं। 2018 में भाजपा की हार और पार्टी के भीतर बदले हालात के बाद ऐसा माना जाने लगा कि राजे को किनारे कर दिया गया है। पहले के चुनावों में वह मुख्यमंत्री का चेहरा थीं लेकिन इस विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की तथा पार्टी के चुनाव चिन्ह 'कमल' को आगे कर चुनाव लड़ा।

राज्य की कुल 200 में से 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ जिसके वोटों की गिनती रविवार को की गई। इसमें भाजपा को 115 सीटों के साथ बहुमत मिला जबकि कांग्रेस 69 सीटों पर सिमट गई। तीन सीटें भारत आदिवासी पार्टी, दो सीटें बहुजन समाज पार्टी (बसपा), एक-एक सीट राष्ट्रीय लोकदल (आरएलडी) और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) और आठ निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। करणपुर सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण चुनाव स्थगित कर दिया गया था। इसी सीट पर अब पांच जनवरी को मतदान होगा जबकि वोटों की गिनती आठ जनवरी को होगी।

आभार

विधानसभा चुनावों में टोंक से जीतने के बाद जिला कांग्रेस कार्यालय में सभी कार्यकर्ताओं और साथियों का आभार व्यक्त करते पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट।

गोलमा देवी ने की मेहंदीपुर की पदयात्रा, डॉ. किरोड़ी के सीएम बनने की मांगी मन्नत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दौसा। पूर्व मंत्री गोलमा देवी ने अपने गांव खोहरा मुल्ला से मेहंदीपुर बालाजी धाम के लिए पैदल यात्रा की। मेहंदीपुर रवानगी के दौरान उन्होंने कहा कि चाचा (किरोड़ी मीणा) और भतीजे राजेंद्र मीणा की विधानसभा चुनाव में जीत सातों समाज और बालाजी की कृपा से हुई है। अब वे बालाजी महाराज के पैदल यात्रा पर जा रही हैं।

गोलमा देवी ने कहा- किरोड़ीजी जीत दर्ज कर, एमएलए बनकर विधानसभा में पहुंचे हैं, मेरा बेटा (भतीजा राजेंद्र मीणा) भी विधानसभा में पहुंचा है। काका-भतीजा गांव, सातों समाज और मेहंदीपुर बालाजी की कृपा से जीते हैं। अब बालाजी के यहां पैदल जा रहे हैं। हम तो कहते हैं सब समाज और जनता को, सब साथ दो और ये मुख्यमंत्री बनें। हमारी यही कामना है। पहले मैं उनके साथ विधानसभा में बैठी, अब चाचा-भतीजा विधानसभा में एक साथ बैठेंगे।गोलमा देवी ने कहाकि पति और भतीजे की जीत के लिए बालाजी महाराज के चरणों में सभी ग्राम वासियों ने प्रार्थना की थी। सवाई माधोपुर से डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा और महुआ से राजेंद्र मीणा की जीत होने पर पैदल यात्रा के साथ मेहंदीपुर बालाजी के धाम जा रहे हैं। अब बाबा के भोग प्रसाद चढ़ाएंगे। यात्रा के दौरान जगह-जगह लोगों ने उनका स्वागत किया और जीत की शुभकामनाएं दी। मालूम हो डॉक्टर किरोड़ी मीणा सवाईमाधोपुर सीट से 22,510 वोट से जीते हैं।

उन्होंने कांग्रेस के दानिश अबरार को हराया है। किरोड़ी मीणा को कुल 81,087 वोट मिले। वहीं उनके भतीजे राजेन्द्र मीना महवा विधानसभा सीट से जीते है। उन्होंने कांग्रेस के ओमप्रकाश हुड़ला को 7917 वोट से हराया है। इससे पहले 2008 के विधानसभा चुनाव में डॉक्टर किरोड़ी मीणा टोडाभीम सीट से निर्दलीय चुनाव जीते थे, वहीं पत्नी गोलमा देवी महवा विधानसभा सीट से जीतीं थी। बाद में उन्हें कांग्रेस की गहलोत सरकार में खादी और ग्रामोद्योग राज्यमंत्री बनाया गया था।

करणपुर विधानसभा सीट पर चुनाव के लिए पांच जनवरी को होगा मतदान

नयी दिल्ली/जयपुर। राजस्थान की करणपुर विधानसभा सीट पर मतदान पांच जनवरी 2024 को होगा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने यह जानकारी दी। करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण इस सीट के लिए मतदान स्थगित कर दिया गया था। आयोग ने बताया कि करणपुर सीट पर मतदान पांच जनवरी को तथा मतगणना आठ जनवरी को होगी। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 12 दिसंबर से शुरू होगी और इसकी आखिरी तारीख 19 दिसंबर है। नामांकन पत्रों की छंटनी 20 दिसंबर को की जाएगी और 22 दिसंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। करणपुर सीट पर मतदान 15 नवंबर को स्थगित कर दिया गया था। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 52 का हवाला देते हुए बताया था कि यदि राष्ट्रीय या राज्य स्तर की किसी मान्यता प्राप्त पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए उम्मीदवार का मतदान से पहले निधन हो जाता है तो निर्वाचन अधिकारी उस सीट पर मतदान स्थगित कर देता है और मतदान के लिए नयी तारीख की घोषणा बाद में की जाती है ।

जम्मू कश्मीर में पंडित नेहरू की 'गलतियों' को प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने सुधारा : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने जम्मू कश्मीर में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय की गयी 'गलतियों' को सुधारा है और पिछले चार वर्ष में केंद्रशासित प्रदेश में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

लोकसभा में 'जम्मू कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक' पर चर्चा के दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों के बयानों पर जवाब देते हुए ठाकुर ने यह बात कही। इससे पहले नेशनल कॉन्फ्रेंस के हसनैन मसूदी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सुप्रिया सुले समेत कई सदस्यों ने संविधान का अनुच्छेद 370 समाप्त होने के चार साल बाद भी जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव नहीं होने का मुद्दा उठाया था।

ठाकुर ने कहा कि विपक्षी सदस्य सवाल उठा रहे हैं कि अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35ए को हटाने के बाद क्या हुआ? उन्होंने कहा कि इन प्रावधानों को समाप्त करने के बाद राज्य में कोविड महामारी के दौर में भी जिला विकास परिषदों का चुनाव होना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की

प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ठाकुर ने कहा कि विपक्षी सदस्य कश्मीर का जिक्र आने पर वहां के कुछ परिवारों के नाम तो लेते हैं लेकिन महाराजा हरि सिंह और सरदार वल्लभ भाई पटेल का नाम लेना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा, ''नेहरू जी की गलतियों को सुधारने का काम 5 अगस्त (2019) को मोदी सरकार ने संसद में किया था।'' केंद्रशासित प्रदेश में पिछले कुछ महीनों के दौरान आतंकवादी हमलों में सैन्यकर्मियों के शहीद होने के संबंध में राकांपा सदस्य सुप्रिया सुले के बयान पर ठाकुर ने कहा कि जवानों की शहादत पर सभी को दुख है। उन्होंने कहा कि देश में करीब 60 साल तक कांग्रेस का शासन रहा और इस दौरान जम्मू कश्मीर में 45 हजार से अधिक सैनिक और आम नागरिक मारे गए। उन्होंने कहा, ''तब कोई नहीं बोला। आप भी दस साल उस सरकार का हिस्सा रहे थे। सैनिकों को बुलेटप्रूफ जैकेट नहीं मिली। शायद उसमें भी कमीशन खोज रहे थे।'' ठाकुर ने कहा, ''हम तो जम्मू कश्मीर में आरक्षण के लिए कानून पारित करा रहे हैं। पिछले चार वर्ष में केंद्रशासित प्रदेश में बड़ा बदलाव देखने को मिला है।''

उन्होंने कहा कि राकांपा सांसद ने सहयोगात्मक संघवाद के लिए भाजपा के वरिष्ठ नेताओं दिवंगत अरुण जेटली और सुषमा स्वराज को याद किया। ठाकुर ने कहा कि जब संसद में पांच अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर से संबंधित अनुच्छेद 370 के प्रावधान समाप्त किए गए थे तब अस्वस्थ अवस्था में ही सुषमा स्वराज ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को फोन कर इस फैसले पर खुशी जताई थी।

दुष्प्रचार करने के लिए आरोप लगा रहे हैं तृणमूल कांग्रेस के नेता: साध्वी निरंजन ज्योति

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल में केंद्रीय योजनाओं का पैसा रोकने और केंद्रीय मंत्री के मुलाकात नहीं करने के तृणमूल कांग्रेस के दावों को खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने उस पर 'दुष्प्रचार करने' और 'राजनीतिक रोटियां' सेकने का आरोप लगाया। लोकसभा में प्रश्नकाल में तृणमूल कांग्रेस के नेता सुदीप बंदोपाध्याय के प्रश्न का उत्तर देते हुए ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ज्योति ने कहा कि इन्हें (तृणमूल कांग्रेस नेताओं को) पश्चिम बंगाल की जनता की चिंता नहीं है और इन्हें केवल 'राजनीतिक रोटियां' सेकनी हैं।

बंदोपाध्याय ने राज्य के लिए आवंटित मनरेगा योजना का केंद्रीय धन पिछले दो साल से रोके जाने का दावा करते हुए केंद्र सरकार से मांग की कि इसे तत्काल जारी किया जाए। उन्होंने सोमवार को शून्यकाल में भी इस विषय को उठाया था और केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति पर तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल से इस विषय पर मुलाकात नहीं करने का आरोप लगाया था। बंदोपाध्याय ने आज भी प्रश्नकाल के दौरान कहा कि तृणमूल कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल ग्रामीण विकास मंत्री से मिलने यहां आया था, उनसे मुलाकात नहीं हो सकी और जब राज्य मंत्री के घर गए तो वह भी बिना मिले चली गईं। ज्योति ने तृणमूल कांग्रेस के दावे को झूठा बताते हुए कहा कि पांच लोगों के मिलने के लिए उनसे आधे घंटे का समय मांगा गया था, उसके बाद कहा गया कि दस लोग मिलेंगे और फिर कहा गया कि जनता से मिलिए।

चक्रवात 'मिगजॉम' के प्रभाव से ओडिशा के दक्षिणी जिलों में अत्यधिक वर्षा हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। गंभीर चक्रवात 'मिगजॉम' के प्रभाव से मंगलवार को ओडिशा के दक्षिणी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश जारी है। कुछ घंटों में चक्रवाती तूफान के आंध्र प्रदेश के नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच तटों पर पहुंचने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार की शाम से ओडिशा के मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गंजम और गजपति जिलों में बारिश दर्ज की गई है।

मौसम विभाग ने कहा कि सोमवार की शाम साढ़े पांच बजे से मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे के बीच गजपति में 8.5 मिलीमीटर बारिश हुई, इसके बाद कोरापुट में 8.3 मिलीमीटर, गंजाम में 3.9 मिलीमीटर, मलकानगिरी में 2.5 मिलीमीटर और रायगढ़ा में 1.5 मिलीमीटर बारिश हुई।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने सोमवार को कहा था कि चक्रवात का ओडिशा पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा, लेकिन मंगलवार को पूर्वी राज्य में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान है।

आईएमडी के बुलेटिन में कहा गया है कि पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के साथ-साथ दक्षिण आंध्र प्रदेश तट पर भीषण चक्रवाती तूफान पिछले छह घंटों के दौरान 12 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की दिशा में बढ़ता गया और मंगलवार को सुबह साढ़े आठ बजे यह कवाली से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर पूर्व में 80 किलोमीटर, नेल्लोर के उत्तर-उत्तरपूर्व, बापटला से 80 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम और मछलीपट्टनम से 140 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम में केंद्रित था।

बुलेटिन में कहा गया है कि मौसम प्रणाली के लगभग उत्तर की ओर समानांतर और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के करीब बढ़ने की संभावना है और अगले चार घंटों के दौरान एक गंभीर चक्रवात के रूप में यह बापटला के करीब से होकर आगे जाएगा। इसकी गति 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे से बढ़कर 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी।''

जबरन धर्म परिवर्तन के लिए तीन के खिलाफ मामला दर्ज

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रयागराज के कर्नलगंज थाना क्षेत्र में छोटा बघाड़ा के तीन लोगों के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। छोटा बघाड़ा की संगीता गुप्ता ने मंगलवार इन लोगों के खिलाफ उनका, उनकी बेटी और उनके पिता का जबरन धर्म परिवर्तन कराने का मामला दर्ज कराया।

कर्नलगंज थाने में दर्ज करायी गयी प्राथमिकी में महिला ने आरोप लगाया है कि छोटा बघाड़ा के मुस्ताक अली ने उनके पिता को लालच देकर अपने घर पर बनी मजार पर बुलाया और जबरन उनका धर्म परिवर्तन करा दिया। प्राथमिकी के मुताबिक, संगीता के पिता की मृत्यु के बाद मुस्ताक अली ने उन्हें और उनकी बेटी स्मृति गुप्ता को डरा-धमका कर मजार पर बुलाया और जादू-टोना करके उनकी बेटी को भी जान से मारने की धमकी दी एवं अपने बेटों-अकरम, जुनैद और फैजान की मौजूदगी में उनका धर्म परिवर्तन कराया। प्राथमिकी में महिला ने अपनी बेटी और अन्य महिलाओं के साथ यौन शोषण किये जाने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने अकरम, जुनैद और फैजान के खिलाफ भादंसं की धाराओं 147 (बलवा), 323 (चोट पहुंचाना), 504 (अपमान करना), 342 (बंधक बनाना), 354 (क) (यौन उत्पीड़न) और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, 2021 की धारा तीन के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

'सरकार के आर्थिक विकास के दावों का प्रभाव जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने प्रश्न किया कि जब वह यह दावा करती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेजी से विकास कर रही है तो उसका प्रभाव जमीन पर क्यों नहीं दिखाई पड़ रहा है?

उच्च सदन में 'देश में आर्थिक स्थिति' विषय पर अल्पकालिक चर्चा में भाग लेते हुए चिदंबरम ने कहा, ''हम बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, हम तेजी से विकास कर रहे हैं, हम नवोन्मेषक हैं, हमारे देश में सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हो रहा है, किंतु यह जमीन पर क्यों नहीं दिख रहा?'' उन्होंने यह बात विशेष तौर पर जाननी चाही कि इसका प्रभाव मुद्रास्फीति और रोजगार के आंकड़ों पर क्यों नहीं दिख

रहा? उन्होंने कहा, ''अंततः प्रश्न है कि यह सरकार किसके लिए है? क्या यह गरीबों के लिए है और इसकी नीतियां इतनी तोड़ी मरोड़ी गयी हैं कि यह अमीरों के पक्ष में है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा अब हर साल दो करोड़ नये रोजगार जोड़ने की बात नहीं करती है। उन्होंने कहा कि अच्छी बात है कि वह अब चुनावी जुमला नहीं दोहराती है।

चिदंबरम ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि देश में कामगार आबादी दर 46 प्रतिशत है जिसका मतलब है कि आबादी के अनुपात में कामगार का प्रतिशत 46 है। उन्होंने कहा कि इसमें पुरुष कामगारों की आबादी 69 प्रतिशत तथा महिलाओं की केवल 22 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कामगार आबादी में से मात्र 50 प्रतिशत ही वास्तव में काम करती है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि देश की मात्र 23 प्रतिशत आबादी ही काम करती है और भाजपा के पिछले नौ साल के शासन में यह स्थिति स्थायी रूप से बनी रही। चिदंबरम ने प्रश्न किया कि जब अर्थव्यवस्था इतनी तेज गति से विकास कर रही है तो कामगारों के आंकड़ों में वृद्धि क्यों नहीं हो रही है? उन्होंने कहा कि 25 वर्ष की आयु तक चार में से एक स्नातक युवा बेरोजगार है और 35 वर्ष की आयु तक हर दस में से एक स्नातक बेरोजगार है।

उन्होंने कहा कि भारत में 55 प्रतिशत रोजगार स्वरोजगार है। उन्होंने कहा कि नियमित वेतन पाने वाले कर्मचारियों की संख्या 24 प्रतिशत से घटकर 21 प्रतिशत रह गयी है। उन्होंने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में मात्रा ही नहीं गुणवत्ता में भी कमी आयी है।

नोएडा में बदमाशों ने कार का शीशा तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण लूटे

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा के सोरखा गांव में बदमाशों ने एक व्यक्ति की कार का शीशा तोड़कर उसमें लाखों रुपये कीमत के चांदी के आभूषण और अन्य सामान लूट लिया और पीड़ित द्वारा विरोध करने पर उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलायी। पुलिस उपायुक्त (प्रथम जोन) हरिश चंदर ने बताया कि सोरखा गांव निवासी अमित वर्मा ने सोमवार रात को थाने में शिकायत दर्ज करायी कि वह अपनी कार से सोरखा गांव के पास पहुंचा। वहां पर उसने एक होटल पर खाना खाने के लिए कार रोकी। इसी बीच दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर चार बदमाश वहां पर आए। दो बदमाशों ने हथियार के बल पर उसे रोक लिया तथा दो बदमाशों ने उसकी कार का शीशा तोड़कर अंदर रखा बैग लूट लिया। उन्होंने बताया कि शिकायत के अनुसार बैग में वर्मा का लैपटॉप तथा करीब दो किलोग्राम वजन के चांदी के जेवरात रखे थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित का कहना है कि जब उसने विरोध किया तो बदमाशों ने उसके ऊपर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई लेकिन गोली उसे लगी नहीं। उन्होंने बताया कि पीड़ित एक कंपनी में काम करता है और उसके पिता की आभूषण की दुकान है। डीसीपी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डब्ल्यूएफआई चुनावों की तारीख की घोषणा आठ दिसंबर के बाद

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनावों के लिए अधिसूचना आठ दिसंबर को या इसके बाद जारी की जा सकती है। इस साल की शुरुआत में प्रकाशित निर्वाचन सूची में किसी भी तरह के बदलाव को भी आठ दिसंबर को ही शामिल किया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चुनावों पर लगाई गई रोक को हाल में हटा दिया था जिससे डब्ल्यूएफआई की नई संचालन इकाई को चुनने की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। भारत के शीर्ष पहलवानों द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद खेल मंत्रालय ने बृज भूषण शरण सिंह की अगुआई वाले महासंघ को निलंबित कर दिया था और भारतीय वुशु संघ के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा की अगुआई में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ पैनल अभी डब्ल्यूएफआई का दैनिक कामकाज देख रहा है।

बिहार कैबिनेट ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने 2028 तक राज्य में सभी वाहन पंजीकरण में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत करने के लक्ष्य के साथ ''बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2023 को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई कैबिनेट की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने कैबिनेट बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''योजना का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहन देकर और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक चार्जिंग ढांचा स्थापित करके इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों की स्वीकार्यता को प्रोत्साहित करना है। यह योजना पर्यावरण प्रदूषण और ईंधन सुरक्षा में मदद करेगी।'' उन्होंने आगे कहा कि बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2023 अगले पांच वर्षों के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्यों की रूपरेखा तैयार करती है। इसमें 2028 तक बिहार में पंजीकृत सभी नए वाहनों में से इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सिद्धार्थ ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ईवी नीति मोटर वाहन (एमवी) कर पर 75 प्रतिशत तक अनुदान और पहले व्यक्तिगत 1,000 चारपहिया ईवी के लिए 1.25 लाख रुपये तक की खरीद प्रोत्साहन सहित विभिन्न उपाय पेश करती है। उन्होंने कहा, ''पहले व्यक्तिगत 10,000 दोपहिया ईवी के लिए समान लाभ एमवी कर पर 75% तक अनुदान हैं और 10,000 रुपये तक का खरीद प्रोत्साहन है।''

पूर्वोत्तर में इंडियन ऑयल के एलपीजी सिलेंडर ट्रांसपोर्टर की हड़ताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। पूर्वोत्तर में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के एलपीजी सिलेंडर परिवाहकों का एक संघ अचानक अनिश्चितकालीन विरोध-प्रदर्शन पर चला गया है जिससे विभिन्न क्षेत्रों में ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हुई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नॉर्थ ईस्ट पैक्ड एलपीजी ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन (एनईपीएलटीए) ने लंबित बकाया और हाल ही में जारी निविदाओं में कम दरों को हड़ताल का कारण बताया।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि आईओसी का पूर्वोत्तर प्रभाग, इंडियन ऑयल - एओडी पूरे क्षेत्र में अपने नौ परिचालन बॉटलिंग संयंत्रों से हर दिन 1.4 लाख एलपीजी सिलेंडर का उत्पादन करता है। अचानक हड़ताल से असम में स्थित छह संयंत्र प्रभावित हुए हैं जहां 1.1 लाख सिलेंडरों का उत्पादन होता है।

उन्होंने कहा, ''हड़ताल की वजह से असम, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिजोरम में आपूर्ति पर असर पड़ा है। अगर हड़ताल को तुरंत वापस नहीं लिया जाता है तो इस सप्ताह के अंत तक एलपीजी सिलेंडरों का संकट हो सकता है।''

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने लायक हालात : अधीर रंजन चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को मणिपुर की हिंसा का विषय सदन में उठाया और कहा कि हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि वहां राष्ट्रपति शासन लगाने की जरूरत है। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। चौधरी

ने दावा किया, ''मणिपुर में जातीय हिंसा में कोई कमी नहीं आई है। केंद्र और राज्य सरकार सामान्य स्थिति होने का दावा कर रही हैं, लेकिन गंभीर परिस्थितियां इस बात का प्रमाण है कि मणिपुर की सरकार पूरी तरह विफल रही है।'' उनके मुताबिक, हालत यह हो गई है कि कल मणिपुर में 13 लोगों के मारे जाने की खबर आई है। उन्होंने आरोप लगाया, ''केंद्र सरकार ऐसा व्यवहार कर रही है कि मणिपुर में कुछ नहीं हुआ है। राज्य सरकार पूरी तरह विफल रही है।''

चौधरी ने कहा कि इस तरह के हालात पैदा हो गए हैं कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की जरूरत है।

देश में गेहूं संकट, सरकार आयात पर विचार कर रही है: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को दावा किया कि देश में गेहूं संकट पैदा हो गया है जिसके चलते सरकार गेहूं आयात करने पर विचार कर रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने उस खबर का हवाला देते हुए सरकार पर निशाना साधा जिसमें कहा गया है कि घरेलू बाजार में कीमतों में उछाल के कारण वह रूसी गेहूं के आयात की अनुमति दे सकती है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने पिछले साल अपनी छवि चमकाने के लिए दावा किया था कि भारत दुनिया का पेट भरने में सक्षम है। उन्होंने गेहूं के निर्यात की खुली छूट दी। फिर अपने ही देश में गेहूं संकट उत्पन्न हो गया।'' उन्होंने दावा

किया, ''2022 का अंत आते-आते गेहूं का भंडार 15 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया। स्थिति बिगड़ी तब निर्यात पर रोक लगाई गई। अब ख़बर है कि सरकार गेहूं आयात करने पर विचार कर रही है।'' कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया, ''इस बीच देश में आटे समेत गेहूं से संबंधित उत्पादों के दाम 50 प्रतिशत तक बढ़ गए। प्रधानमंत्री ग़रीब कल्याण योजना के तहत भी गेहूं की जगह चावल दिए जाने की ख़बरें आई हैं। एक बार फ़िर स्वघोषित विश्वगुरु के दिखावे की वजह से नुक़सान आम और ग़रीब लोगों का हुआ है।''

ज्ञानवापी मामले में सुनवाई सात दिसंबर तक के लिए टली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मंगलवार को ज्ञानवापी मामले में सुनवाई सात दिसंबर के लिए टाल दी।

वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतेजामिया कमेटी ने इस मस्जिद के स्थान पर मंदिर बहाल करने की मांग वाले वाद की पोषणीयता को चुनौती देते हुए याचिका दायर कर रखी है।

आज यह मामला सुनवाई के लिए न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध था। जब इस मामले पर सुनवाई शुरू हुई, तब कुछ देर के बाद अदालत ने सुनवाई टाल दी और अगली तिथि सात दिसंबर निर्धारित की।

अडाणी ने ऊर्जा क्षेत्र में संतुलित नजरिया अपनाने की वकालत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडाणी ने मंगलवार को हरित महत्वाकांक्षाओं की दिशा में प्रयास जारी रखने के साथ ऊर्जा लागत और उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित नजरिया अपनाने की वकालत की।

अडाणी का यह बयान दुबई में जारी 28वें संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी-28) के बीच आया है। इस सम्मेलन में 118 देशों की सरकारों ने वर्ष 2030 तक दुनिया की

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता को तिगुना करने का संकल्प जताया है। लेकिन ऊर्जा उत्पादन में जीवाश्म ईंधन की हिस्सेदारी की मात्रा कम करने पर स्थिति साफ नहीं हो पाई है। अडाणी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की बात कही। उन्होंने कहा, ''सीओपी-28 के शुरुआती उत्साहजनक संकेतों के बीच यह याद रखना प्रासंगिक है कि कुल मिलाकर (हमारी 1.4 अरब जनसंख्या को देखते हुए) हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े प्राथमिक ऊर्जा उपभोक्ता हैं लेकिन हमारी प्रति व्यक्ति बिजली खपत 1,250 किलोवाट घंटा के साथ वैश्विक औसत के एक-तिहाई से भी कम और विकसित दुनिया के एक-सातवें हिस्से से भी कम है।'' उन्होंने कहा कि भारत 2030 तक अपनी उत्सर्जन तीव्रता को वर्ष 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत तक कम करने की प्रतिबद्धता को पूरा करने में अपने लक्ष्य से आगे निकलने वाला एकमात्र बड़ा देश है। उन्होंने कहा, ''सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को अपनी विशाल हरित महत्वाकांक्षाओं में तेजी लाने के साथ-साथ अपनी ऊर्जा लागत, ऊर्जा उपलब्धता और हरित ऊर्जा उद्देश्यों को संतुलित करना चाहिए।'' कोयला से लेकर खाद्य तेल तक के कारोबार में सक्रिय अडाणी समूह के मुखिया ने कहा, ''वर्ष 2030 तक 75 अरब डॉलर के निवेश के संकल्प के साथ अडाणी समूह उत्सर्जन तीव्रता को कम करने के इस कार्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।''

'इंडिया' गठबंधन की बैठक में नहीं शामिल होंगे अखिलेश, मगर कहा: और मजबूत होगा यह गठबंधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव बुधवार को दिल्ली में होने वाली विपक्ष के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की बैठक में शामिल नहीं होंगे। हालांकि उन्होंने दावा किया है कि हाल में चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम आने के बाद 'इंडिया' गठबंधन और मजबूत होगा।

सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'राष्ट्रीय अध्यक्ष का कल इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने का कोई कार्यक्रम नहीं है। पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रोफेसर राम गोपाल यादव या राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा

अधिकृत कोई अन्य नेता बैठक में शामिल होंगे।' यह पूछे जाने पर कि क्या चार राज्यों में विधानसभा नतीजे आने के बाद अखिलेश यादव का बैठक में शामिल न होना तय था, सपा प्रवक्ता ने कहा कि बैठक के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। मालूम हो कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के नेता 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने के लिए छह दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर बैठक करेंगे। इस बीच, दिल्ली में सपा नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि उनकी पार्टी बैठक में शामिल होगी लेकिनअखिलेश यादव मौजूद नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पूर्वांचल क्षेत्र में निर्धारित कुछ कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि अगर कोई नेता भाग नहीं लेता है। बैठक में सभी दल होंगे। सपा मध्य प्रदेश में अपने उम्मीदवारों की घोषणा करते समय कांग्रेस द्वारा सीट नहीं दिए जाने से नाराज है और अखिलेश यादव ने इस पर खुलेआम अपनी नाराजगी जाहिर की थी। सोमवार को संसद में इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों की बैठक में भी सपा का कोई नेता शामिल नहीं था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी भी व्यस्तता के कारण 'इंडिया' गठबंधन की छह दिसंबर की बैठक में शामिल नहीं होंगी।

सुविचार

बीते हुए कल का अफ़सोस और आने वाले कल की चिंता, दो ऐसे चोर हैं, जो हमारे आज की खूबसूरती को चुरा लेते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चुनाव नतीजों के सबक

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे घोषित होने के बाद विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाया जाना हास्यास्पद है। पिछले कुछ वर्षों से यह एक अजीब चलन बन गया है। जब (वे) चुनाव जीत जाते हैं तो यह उम्मीदवार की जीत होती है, पार्टी की जीत होती है, तब ईवीएम बिल्कुल ठीक होती है, लेकिन जब चुनाव हार जाते हैं तो आत्म-मंथन करने के बजाय इसका ठीकरा ईवीएम पर फोड़ देते हैं! जो ईवीएम पिछले चुनाव में बिल्कुल ठीक थी, अब उसमें खोट नजर आने लगता है। हार व जीत चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा हैं। एक सीट पर सिर्फ एक उम्मीदवार जीतता है, बाकी सब हारते हैं। आदर्श राजनीति तो यह होगी कि जो उम्मीदवार जीते, वह विनम्र रहे, सबको साथ लेकर चले, सबकी भलाई के लिए ईमानदारी से काम करे। जो उम्मीदवार हार जाए, वह ईवीएम में कमियां ढूंढ़ने के बजाय खुद के प्रदर्शन में रहीं कमियां ढूंढ़े, जनता से जुड़ाव रखे, उसके मुद्दों को आवाज दे, 'विरोध के लिए विरोध' करने के बजाय रचनात्मक भूमिका निभाए। भारत के चुनावी इतिहास में ऐसे बड़े-बड़े नाम हैं, जो कभी न कभी चुनाव हारे, लेकिन उसके बाद उन्होंने सुधार की ओर ध्यान दिया और विजयी हुए। इस बार राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के विधानसभा चुनाव नतीजों का आकलन करने में ज्यादातर एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरे हैं। अपने एसी कक्ष में बैठकर चुनाव विश्लेषण करने वाले राजनीति के कई 'धुरंधर' चकरा गए। यह क्या हुआ, कैसे हुआ? जनता ने सवाल का जवाब दिया कोई और, बटन दबा दिया कोई और! यह 21वीं सदी का मतदाता है। उसके मन की थाह लेना आसान नहीं है। अगर 'हवा' का रुख जानना है तो आम जनता के बीच रहें। वह जैसा खाना खाती है, खुद भी खाएं। वह जैसा पानी पीती है, खुद भी पिएं। वाहवाही सुनने का शौक न पालें। आलोचकों को शत्रु न समझें, उनकी बात ध्यान से सुनें। अगर ख़ुद के लिए जरा भी यह भ्रम पाला कि 'मैं ही सबकुछ जानता हूं', 'मुझे कौन हरा सकता है', तो बाजी पलटते देर नहीं लगेगी। एग्जिट पोल करने वाले 'विशेषज्ञ' हों या नेतागण, इस तथ्य को कभी न भूलें।

इन चुनाव नतीजों का संदेश दूर तक जाएगा। यकीनन इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सियासी कद बहुत बढ़ गया है। भाजपा इस जीत को आगामी लोकसभा चुनाव में जरूर भुनाना चाहेगी। अगर वह राजस्थान, मप्र और छग में से एक या दो राज्यों के चुनाव भी हार जाती तो इसे उसके प्रदेश संगठन की हार के बजाय मोदी की हार के रूप में प्रचारित किया जाता। याद करें, इन राज्यों के वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद यह बहस जोरों पर थी कि अब 'मोदी मैजिक' चला गया, लेकिन पांच साल बाद यह कहना ग़लत नहीं होगा कि 'मोदी मैजिक' न केवल जोरदार ढंग से जारी है, बल्कि कांग्रेस के तमाम वादों पर बहुत भारी भी है। राजस्थान में गहलोत सरकार कई योजनाएं लेकर आई थी। जनता ने महंगाई राहत शिविरों में पंजीकरण करवाकर खूब सेल्फियां ली थीं। कांग्रेस के नेता इन्हें सोशल मीडिया पर देखकर गद्गद हो रहे थे, लेकिन ईवीएम खुली तो नतीजा कुछ और ही आया। अब वे दबी जुबान से स्वीकार कर रहे हैं कि गहलोत-पायलट रार, पेपर लीक, कन्हैया लाल मामला और तुष्टीकरण के आरोप ले डूबे। मप्र में कांग्रेस ने आरोपों के कई तीर छोड़े, लेकिन मोदी-शिवराज के सामने विपक्ष के 'महारथी' निस्तेज साबित हुए। छग में सत्ता विरोधी लहर के साथ भ्रष्टाचार, सट्टा, कांग्रेस में अंतर्कलह का बोलबाला रहा। मोदी समेत भाजपा के शीर्ष नेता अपनी जनसभाओं में इन मुद्दों को जोर-शोर से उठा रहे थे। कांग्रेस रक्षात्मक भूमिका में दिखाई पड़ रही थी। इन सबका नतीजा यह नहीं आता तो और क्या आता? कांग्रेस इन अनुभवों से सबक लेकर तेलंगाना तथा जिन राज्यों में उसकी सरकारें हैं, वहां सुशासन की स्थापना करे। उसके नेतागण आम जनता से जुड़ाव रखें, तुष्टीकरण से बचें और सर्वसमाज का कल्याण सुनिश्चित करें। भाजपा को भी चाहिए कि वह अति-आत्मविश्वास से परहेज करे। जनादेश को लेकर विनम्र रहे। जनता को राहत देने के कार्यों में फुर्ती दिखाए।

ट्वीटर टॉक

करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुखदेव सिंह गोगामेडी जी की जयपुर में गोली कांड में हुई हत्या अत्यधिक दुखद है। उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पिछले पांच वर्षों में प्रदेश में पनपे माफिया गैंग के कारण हुई यह जघन्य घटना स्वीकार्य नहीं है।

-सीपी जोशी

पांच वर्षों में प्रदेश में जंगलराज और लचर कानून व्यवस्था की ऐसी विकराल स्थिति बनी है कि अपराधी बेखौफ होकर अपराध करते रहे और जिम्मेदार सरकार मूकदर्शक बनकर बदमाशों के हौसले बुलंद करती रही। हमारी पहली प्राथमिकता राज्य में कुशासन और जंगलराज खत्म करने की है।

-राजेन्द्र राठौड़

परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन गुरबचन सिंह सलारिया के बलिदान दिवस पर भावपूर्ण नमन। संयुक्त राष्ट्र संघ की शांति सेना के कांगो अभियान में मानवता की रक्षा के लिए विद्रोहियों से वीरता से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सलारिया जी शहादत हमारे जवानों को प्रेरणा देती रहेगी।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

आस्था का समर्थ

समर्थ गुरु रामदास का जीवन अनेक चमत्कारों से परिपूर्ण रहा है। उन्होंने राजनीति, शिष्टाचार और धर्म पर काफी लेखन कार्य किया था। उनकी आध्यात्मिक कार्यस्थली पैठण रही, जहां वह प्रतिदिन धर्म सभा एवं संकीर्तन किया करते थे। एक बार भजन कीर्तन के दौरान एक सत्संगी ने आकर रामदास को सूचित किया, महाराज, गांव में आपकी पूज्य माताश्री आपकी याद में रो रोकर अपनी आंखों की रोशनी खो चुकी हैं। अब उनके दिन रोते हुए और आपको याद करते हुए गुज़र रहे हैं। इतना सुनते ही रामदास पैठण से अपने गाँव की ओर निकल पड़े। पूरे रास्ते अपनी मां को याद करते हुए प्रभु स्मरण भी करते रहे। गांव पहुंचकर अपनी मां की रुग्णता और उन्हें बिना आंखों के विचरण करते देख रामदास द्रवित हो उठे। उन्होंने अपने इष्ट को याद करते हुए अपनी मां की आंखों पर हाथ फेरा। राम नाम के सुमिरन के साथ-साथ मां की आंखों में रोशनी भी आती गई और मां को अब पूर्ण रूप से साफ़ साफ़ दिखाई देने लगा। प्रसन्न होते हुए मां ने रामदास से इस चमत्कार का मर्म जानना चाहा तो वह बोले, 'मैं तो अपने प्रभु समर्थ राम का दास हूं।

सामयिक

तेजी से बढ़ता राष्ट्रीय पार्टियों का वर्चस्व, घबराहट में क्षेत्रीय दल!

अशोक भाटिया
मो.:9221232130

पांच राज्यों के चुनाव में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा। हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है। गौरतलब है कि केंद्र और राज्य में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है। इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे, लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियां का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दल का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। इसी तरह राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का सियासी हश्र रहा।

मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले। छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती। बीएसपी को 2 सीटें मिली।लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा। ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी। कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए। बीएसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला। अब बात करें तेलंगाना की कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है, लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है। तेलंगाना में मिली कांग्रेस की जीत और बीआरएस की हार का सियासी प्रभाव सिर्फ दक्षिण की सियासत तक ही सीमित नहीं बल्कि क्षेत्रीय की राजनीति पर भी पड़ेगा।

तेलंगाना में बीआरएस को असदुद्दीन ओवैसी का साथ भी नहीं बचा सका और केसीआर सत्ता की हैट्रिक लगाने से चूक गए। ओवैसी भले ही सात सीटें अपनी बचाने में कामयाब रहे, लेकिन केसीआर की सत्ता नहीं बचा पाए। कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना के नतीजे बताते हैं कि मुसलमानों का भरोसा क्षेत्रीय दलों से उठ रहा है और कांग्रेस की तरफ उनका झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे सोचने वाली बात यह है कि तेलंगाना में कांग्रेस की जीत क्या अखिलेश यादव के लिए बुरी खबर है? देखा जाय तो मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न तेजी से बदल रहा है। पहले दिल्ली के एमसीडी चुनाव में मुसमलानों ने आम आदमी पार्टी से मूंह मोड़ा और कांग्रेस के पक्ष में वोट किया। मुसलमान यह बात अच्छे से जानते हुए कि मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है और कांग्रेस चुनावी लड़ाई में नहीं है। मुस्लिमों का कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग करना सियासी बदलाव के तौर पर देखा गया। दिल्ली के बाद कर्नाटक के चुनाव में मुसमलानों ने एकमुश्त वोट कांग्रेस के पक्ष में किया और जेडीएस को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया था। जेडीएस ने 23 मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे, लेकिन मुस्लिम इन सीटों पर कांग्रेस के हिंदू कैंडिडेट के पक्ष में वोटिंग किया था। एचडी देवगौड़ा के मजबूत गढ़ पुराने मैसूर क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को जेडीएस का कोर वोटबैंक माना जाता था, जहां पर 14 फीसदी मुस्लिम हैं। इस बार के चुनाव में मुस्लिम मतदाता जेडीएस को दरकिनार कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में एकजुट हो गए थे। वहीं, अब मुस्लिमों ने तेलंगाना चुनाव में ओवैसी की पार्टी को पुराने हैदराबाद के इलाके की सीटों पर वोट किया, लेकिन तेलंगाना के बाकी इलाके में कांग्रेस के साथ रहे।

देश भर के मुस्लिमों की रहनुमाई का दावा करने वाले असदुद्दीन ओवैसी का गृह राज्य तेलंगाना है। ओवैसी ने तेलंगाना में केसीआर का खुलकर समर्थन किया था। मुस्लिमों ने हैदराबाद में उनकी परंपरागत सात सीटों पर भरोसा जताया, लेकिन बाकी हिस्से में उनका जादू मुस्लिमों पर नहीं चला। ओवैसी के सहारे मुस्लिम वोटों की पूरी तरह से मिलने की आस अधूरी रह गई है। मुस्लिम ने बीआरएस का साथ छोड़कर कांग्रेस के पक्ष में वोट किया जबकि सीएम केसीआर ने सत्ता में रहते हुए मुस्लिमों के लिए बहुत सारे काम किए थे। इसके बावजूद मुसलमानों ने बीआरएस के बजाय कांग्रेस को वोट किया। केसीआर ने अलग से आईटी-पार्क, शादी मुबारक जैसी योजना के बाद मुस्लिमों ने राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए उसी तरह से किनारे कर दिया, जिस तरह से कर्नाटक में जेडीएस को किया था। मुसलमानों का वोट एकतरफा कांग्रेस को मिला, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा से मुकाबला करने में क्षेत्रीय दल से ज्यादा कांग्रेस सक्षम होगी। इसलिए कांग्रेस को मजबूत करने की मंशा से वोट कर रहा है। कांग्रेस ने तेलंगाना में बीआरएस को भाजपा की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही, जिसके चलते मुस्लिमों को लगा है कि बीआरएस चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसी तरह कांग्रेस ने कर्नाटक में जेडीएस को भाजपा की बी-टीम बताकर मुस्लिमों को बीच उसे कठघरे में खड़ा कर दिया था। अरविंद केजरीवाल पर भी कांग्रेस ऐसे ही सवाल खड़े करती रही है और उन्हें भाजपा की बी-टीम बताती रही। यह रणनीति कांग्रेस को फायदेमंद नजर आ रही है और मुस्लिमों का क्षेत्रीय दलों से मोहभंग हो रहा है।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद कांग्रेस मुस्लिम समुदाय का भरोसा जीतने में लगातार कामयाब होती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के लिए तेलंगाना की जीत अच्छी खबर है, लेकिन सपा को टेंशन दे दी है। 2022 विधानसभा चुनावों को देखें तो उत्तरप्रदेश में मुसलमानों का एकमुश्त वोट सपा को मिला था। इसी तरह से बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पर भरोसा जताया था। मुस्लिम मतों के बदौलत ही सपा से लेकर आरजेडी और ममता तक सभी क्षेत्रीय दल सत्तासुख भोग रहे हैं। हालांकि, अब अगर मुसलमानों ने कांग्रेस में वापसी कर ली तो इन क्षेत्रीय दलों की हालत पतली हो जाएगी। अब कांग्रेस की नजर उत्तर प्रदेश पर है और मुस्लिम वोटर्स पर सपा का फिलहाल कब्जा है। कांग्रेस मुस्लिमों का विश्वास जीतने के लिए हरसंभव दांव चल रही है। कर्नाटक, तेलंगाना में जिस तरह से मुस्लिमों ने वहां के क्षेत्रीय दलों के बजाय कांग्रेस पर भरोसा जताया है, वैसे ही अगर उत्तरप्रदेश में भी मुस्लिमों ने कांग्रेस की तरफ रुख करते हैं तो फिर सपा के लिए अपनी सियासी जमीन बचाय रखना मुश्किल होगा। इसकी वजह यह है कि सपा का कोर वोटबैंक यादव और मुस्लिम है। उत्तरप्रदेश में यादव 10 फीसदी तो मुस्लिम 20 फीसदी है। 2022 चुनाव में 87 फीसदी मुस्लिम समुदाय का वोट सपा को वोट मिला था। इसमें से अगर मुस्लिम वोट छिटक जाता है तो सपा के लिए अपने राजनीतिक वजूद को बचाए रखना मुश्किल होगा। मुस्लिम मतदाता पिछले चार चुनाव से सपा को वोट देकर देख लिया है, लेकिन अखिलेश यादव भाजपा को हराने में सफल नहीं हो पा रहे हैं। ऐसे में मुस्लिम समुदाय का झुकाव तेलंगाना, कर्नाटक और दिल्ली की तरह उत्तरप्रदेश में भी होता है तो फिर सारे समीकरण बदल जाएंगे। इस बात को मुलायम सिंह यादव भी समझते थे, जिसके चलते कांग्रेस से हमेशा दूरी बनाए रखते थे।

ज्ञान विज्ञान

बुध ग्रह पर मिला साल्टी ग्लेशियर

बुध ग्रह के बारे में एक नई रिसर्च सामने आई है। बुध की सतह के नीचे कुछ नमकीन ग्लेशियर मिले हैं, जिसके बाद माना जा रहा है कि यहां जीवन की संभावनाएं हो सकती हैं। ग्रह वैज्ञानिकों ने बुध के उत्तरी ध्रुव के पास नमकीन ग्लेशियरों की खोज की है, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि इस ग्रह में जीवन के लिए सही परिस्थितियां हो सकती हैं। नमकीन ग्लेशियरों का मिलना इशारा करता है कि बुध ग्रह पर भी जीवन का स्वरूप संभव हो सकता है। हालांकि इंसान का रहना यहां मुमकिन हो सकता है, इस पर कुछ कहना बहुत जल्दीबाजी होगा। बुध सूर्य के सबसे पास का ग्रह है और यहां जीवन को असंभव माना जाता रहा है लेकिन नई रिसर्च में काफी अलग दावा किया गया है। द प्लैनेटरी साइंस जर्नल में प्रकाशित रिसर्च के मुख्य अध्ययन लेखक एलेक्सिस रोड्रिग्ज ने इस रिसर्च पर कहा, हमारी हाल के शोध दर्शाते हैं कि प्लूटो में नाइट्रोजन ग्लेशियर हैं। जिसका अर्थ है कि हिमनद घटना हमारे सौर मंडल के भीतर सबसे गर्म से लेकर सबसे ठंडे तक फैली हुई है। एरिजोना के ग्रह विज्ञान संस्थान में ग्रह वैज्ञानिक एलेक्सिस रोड्रिग्ज कहते हैं कि बुध के रेडिटलाडी और एमिनेस्कु क्रेटर में पाए जाने वाले साल्टी ग्लेशियर उन विशिष्ट हिमखंडों की तरह नहीं हैं, जिनके बारे में हम पृथ्वी पर सोचते हैं। इसके बजाय वे नमक के प्रवाह हैं जो बुध की सतह के नीचे वाष्पशील यौगिकों को फंसा देते हैं। भूविज्ञान की दृष्टि से वाष्पशील पदार्थ वे रसायन हैं जो किसी ग्रह पर आसानी से वाष्पित हो जाते हैं- जैसे पानी, कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन। एस्टेरॉयड के प्रभाव से बुध के विचित्र नमक-खंडों का पता चला और वैज्ञानिकों ने इन्हें गड्ढों में खोज निकाला।

सूर्य से निकटता के कारण बुध पर ग्लेशियरों का पाया जाना आश्चर्यजनक है। बुध ग्रह पृथ्वी की तुलना में सूरज से 2.5 गुना ज्यादा पास है। उस छोटी सी दूरी पर चीजें बहुत अधिक गर्म होती हैं। अध्ययन के सह-लेखक ब्रायन ट्रैविस के अनुसार, ये नमक प्रवाह एक अरब वर्षों से अधिक तक अपनी अस्थिरता को संरक्षित कर सकते हैं। हालांकि बुध का नमकीन भंडार विशिष्ट हिमखंडों या आर्कटिक ग्लेशियरों के अनुरूप नहीं है।

चिंतन

राजस्थान में आपसी कलह से हारी कांग्रेस

रमेश सर्राफ झुंझुनू
मो.: 9414255034

राजस्थान विधानसभा चुनाव में लोगों को जैसी अपेक्षा थी उसी के अनुरूप चुनाव परिणाम देखने को मिले हैं। पिछले पांच विधानसभा चुनाव से प्रदेश में हर बार राज बदलने की परंपरा छठी बार भी कायम रही है। अशोक गहलोत के लाख प्रयासों के उपरांत भी कांग्रेस पार्टी प्रदेश में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज नहीं बना बदल पाई और सत्ता गंवा दी। राजस्थान के मतदाताओं ने भाजपा की भारी बहुमत से ताजपोशी की है ताकि अगले पांच साल तक वह बिना किसी बाधा के राज कर सके। प्रदेश में भाजपा 115 सीटों के पर्याप्त बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। वहीं कांग्रेस का आंकड़ा 108 से घटकर 69 सीटों पर ही सीमट गया है। प्रदेश के मतदाताओं ने तीसरे मोर्चे के नाम पर नेतागिरी कर रहे बड़बोले नेताओं को भी चुनाव में उनकी जगह दिखा दी है। बहुजन समाज पार्टी मात्र दो सीटों पर सीमट गई। वहीं सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने का दावा करने वाले नागौर के सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल अपनी खुद की खींवसर विधानसभा सीट पर मात्र 2059 मतों के अंतर से जीत सके हैं। उनकी पार्टी के सभी प्रत्याशी पराजित हो गए।

चुनाव से कुछ महीना पहले ही बांगड़ के आदिवासी क्षेत्र में बनाई गई भारतीय आदिवासी पार्टी के तीन विधायक जीतने में सफल रहे हैं। हालांकि भारतीय आदिवासी पार्टी आदिवासी क्षेत्र में पहले भारतीय ट्राईबल पार्टी के नाम से पिछले विधानसभा चुनाव में उतरी थी और उसके दो विधायक जीते थे। उन्ही दोनों विधायकों ने भारतीय आदिवासी पार्टी के नाम से नई पार्टी का गठन किया था। आठ निर्दलीय प्रत्याशी जीते हैं। जिनमें से एक कांग्रेस का व सात भाजपा के बागी थे। विधानसभा चुनाव से पहले अशोक गहलोत ने चौथी बार मुख्यमंत्री बनने के लिए पूरा जोर लगा दिया था। मगर कांग्रेस में चल रही आपसे गुटवाजी के चलते मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी को सिरे से ठुकरा दिया। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ही पार्टी के मुख्य चेहरे बने हुए थे। उन्हीं के चेहरे पर कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था। पार्टी की सभी प्रचार सामग्री पोस्टर, बैनर, होर्डिंगों में अशोक गहलोत की छाए हुए थे। अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई प्रचार कंपनी डिजाईन बाक्स व उसके बड़बोले निदेशक नरेश अरोड़ा भी चुनाव जितवाने में नाकाम रहे।

सचिन पायलट पूरे चुनाव में ही साइड लाइन रहे। टिकट वितरण के दौरान सचिन पायलट ने जिस तरह से गहलोत के सामने हथियार डाले दिये थे। उस पर बड़े-बड़े राजनीतिक विश्लेषकों को भी आश्चर्य हुआ। चुनाव से पहले सुचिता की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले पायलट ने जिस तरह से गहलोत समर्थक शांति धारीवाल, प्रमोद जैन भाया जैसे विवादित लोगों को टिकट देने पर अपनी सहमति जताई उससे सभी अचंभित रह गए। लोगों का कहना था कि पायलट ने अपने समर्थक कुछ लोगों के टिकट क्लियर करवाने के चक्कर में गहलोत से अंदर खाने अघोषित समझौता कर लिया था। चुनाव में पायलट के कहने पर करीबन 40 लोगों को टिकट मिली जबकि गहलोत समर्थकों की संख्या 150 से भी ऊपर थी। चुनाव से पहले गहलोत बार-बार कहते थे कि प्रदेश की जनता में सरकार के खिलाफ नकारात्मक माहौल नहीं है। जनता प्रदेश सरकार के कामों से खुश है। विधायकों को लेकर जनता में नाराजगी है। इसलिए हम बड़ी संख्या में नए लोगों को मैदान में उतरेंगे। मगर चुनाव आते-आते सारी बातें कागजों में ही रह गई और धड़ाधड़ बूढ़े व मौजूदा विधायकों को मैदान में उतार दिया गया। जिसका नतीजा कांग्रेस को करारी हार के रूप में देखना पड़ा।

अशोक गहलोत ने सबसे बड़ी गलती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने खुद को चेहरा बना कर कर दी। राजस्थान में भाजपा ने किसी को भी चेहरा बनाकर चुनाव नहीं लड़ा था। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे व कमल के फूल के निशान पर चुनाव लड़ा था। वहीं अशोक गहलोत ने सामूहिक नेतृत्व के स्थान पर खुद को ही आगे कर पूरी चुनावी व्यूह रचना की थी जिसमें वह नाकाम रहे। कई विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस को अपने बागी प्रत्याशियों की नाराजगी के चलते भी हार का सामना करना पड़ा है। समय रहते कांग्रेस पार्टी आंतरिक बगावत पर नियंत्रण नहीं कर पाई। पार्टी के प्रदेश पर भारी सुखजिंदर सिंह रंधावा व तीनों सह प्रभारी का तो चुनाव के दौरान पता ही नहीं चला कि वो कहां रहे। राजस्थान में कांग्रेस को रसातल में पहुंचने में प्रभारी सुखजिंद्र रंधावा भी बहुत जिम्मेदार है। रंधावा का पूरा समय गहलोत सरकार की जी हुजूरी करते व लोगों को पदाधिकारी नियुक्त करने मे ही निकल गया और कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि रंधावा ने जिनको पदाधिकारी बनाया है उसमें खुलकर भ्रष्टाचार हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा से सीट व मत अधिक मिले थे। मगर इस बार कांग्रेस की सीटें घटने के साथ भाजपा की तुलना में मत भी कम हुए हैं। इस बार कांग्रेस को 39.53 प्रतिशत वहीं भाजपा को 41.69 प्रतिशत मत मिले हैं। बहुजन समाज पार्टी को 1.82 प्रतिशत वहीं हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को 2.39 प्रतिशत मत ही मिल पाए हैं। कांग्रेस पार्टी के प्रति जनता में इतनी अधिक नाराजगी थी की सरकार के 17 मंत्री सहित विधानसभा अध्यक्ष, सरकारी सचेतक तक चुनाव हार गए। यही नहीं अशोक गहलोत व सचिन पायलट के जीत का अंतर भी काफी कम हुआ है।

अशोक गहलोत ने चुनाव से पहले लोगों को सात गारंटी देकर वादा किया था कि फिर से सरकार बनने पर जनता को इन सात योजनाओं के तहत लाभ पहुंचाया जाएगा। मगर प्रदेश की जनता ने उनके वादों पर ध्यान ही नहीं दिया। मतदाताओं का कहना था कि पांच साल सत्ता में रहने के दौरान जो करना था कर दिया। अब सब चुनावी वायदे हैं। प्रदेश के किसानों का ना तो ऋण माफ हुआ ना ही बेरोजगारों को नौकरियां मिली। ऊपर से भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक होने से योग्य उम्मीदवारों का चयन होने से रह गया। अशोक गहलोत का घमंड, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बड़बोले बयान व उनके रिश्तेदारों का प्रशासनिक अधिकारी पदों पर चयन होना, मंत्री सुभाष गर्ग का भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करवाने में नाम आना, मंत्री धारीवाल का विधानसभा में महिलाओं के प्रति अशोभनीय वक्तव्य, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया के खुलआम भ्रष्टाचार के कारनामे, राजेंद्र गुढ़ा का लाल डायरी प्रकरण, शांति धारीवाल, महेश जोशी, धर्मेंद्र राठौर द्वारा आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना करने जैसे मुद्दे कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए काफी थे। कांग्रेस पार्टी को अब अगले लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू करनी चाहिए। पार्टी को संगठन में अध्यक्ष सहित आमूल चूल परिवर्तन करना होगा तथा विधायक दल के नेता के पद पर भी गैर विवादित विधायक का चयन करना होगा जो सभी को साथ लेकर चल सके। तभी जनता में अपनी खोई पैंठ फिर से स्थापित कर सकती है। वरना तो राजस्थान कांग्रेस की ओर अधिक दुर्गति होने से कोई नहीं रोक सकता है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जुकरबर्ग से दान मिलने पर हार्वर्ड ने भ्रामक सूचना के खिलाफ काम कर रही टीम को दबाया : व्हिसलब्लोअर

कैम्ब्रिज/एपी

भ्रामक एवं गलत सूचनाओं के खिलाफ काम करने वाली जानी मानी शोधार्थी जोआन डोनोवन ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय पर उनके भाषण एवं उनकी शोध टीम को दबाने तथा उन्हें नष्ट करने का आरोप लगाया है।

डोनोवन ने अगस्त में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी छोड़ दी थी। उनका आरोप है कि उन्होंने और उनकी टीम ने 2021 के अंत में फेसबुक फाइलों को लेकर बड़ा शोध शुरू किया था लेकिन फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग एवं उनकी पत्नी प्रिसिला चान द्वारा संचालिक संस्था से हार्वर्ड को 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का दान मिलने के कारण उनके कार्य पर असर पड़ा। अपने इस कार्य को वह इंटरनेट के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज मानती हैं। डोनोवन ने सोमवार को सार्वजनिक रूप से यह खुलासा किया और हार्वर्ड के जनरल काउंसल (वकील), मैसाचुसेट्स के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय एवं अमेरिकी शिक्षा विभाग से ''इस अनुचित दखल'' की जांच की मांग की है।

डोनोवन का समर्थन कर रही एक गैर लाभकारी विधिक संस्था 'व्हिसलब्लोअर एड' की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने हार्वर्ड के केनेडी स्कूल और उसके डीन के इस कथित व्यवहार को स्कूल की अकादमिक प्रतिष्ठा के साथ विश्वासघात बताया है।

सीईओ लिब्बी लियू ने प्रेस में दिए बयान में कहा, ''चाहे हार्वर्ड ने कंपनी के निर्देश पर ये कदम उठाए हों या उनके (फेसबुक के) हितों की रक्षा के लिए खुद ये कदम उठाए हों, दोनों का नतीजा एक ही है। कॉरपोरेट के हित शोध एवं अकादमिक स्वतंत्रता को दबा रहे हैं जिससे लोगों को नुकसान हो रहा है।'' केनेडी स्कूल ने अनुचित बर्ताव और दखल के आरोपों को खारिज किया है। स्कूल के प्रवक्ता जेम्स एफ. स्मिथ ने एक बयान में कहा, ''आरोप त्रुटियों और निराधार आक्षेपों से भरे हैं।''

'व्हिसलब्लोअर एड' के बयान में डोनोवन ने डीन डगलस एल्मेंडोर्फ पर उनकी टीम को परेशान करने का आरोप लगाया क्योंकि उन्होंने अक्टूबर 2021 में उन तथाकथित 'फेसबुक फाइल' के लिए एक 'रिसर्च क्लीयरिंगहाउस' बनाने की मजबूत योजना पर काम करना शुरू कर दिया था, जिन्हें पूर्व कर्मचारी फ्रांसिस हौगेन ने लोगों को हुए नुकसान को दर्शाने के लिए इकट्ठा किया था।

वैश्विक दक्षिण तक डिजिटल सार्वजनिक ढांचे की पहुंच होना जरूरी : अमिताभ कांत

नई दिल्ली/भाषा

जी20 में भारत के 'शेरपा' अमिताभ कांत ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक दक्षिण को प्रौद्योगिकी के स्तर पर आगे बढ़ने और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल करने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को अपनाने की जरूरत है।

कांत ने कार्नेगी इंडिया की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अब दुनिया डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे (डीपीआई) के दम पर ही आगे बढ़ेगी।

'वैश्विक दक्षिण' शब्दावली का प्रयोग दुनिया के गरीब और विकासशील देशों के लिए किया जाता है। इनमें से अधिकांश देश दक्षिणी गोलार्द्ध में स्थित हैं। नीति आयोग के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कांत ने कहा, ''अगर दुनिया को समान रूप से आगे बढ़ना है, तो वैश्विक दक्षिण महत्वपूर्ण है। इसकी वजह यह है कि चार अरब लोगों के पास अब भी डिजिटल पहचान नहीं है और 1.3 अरब लोगों के पास बैंक खाता नहीं है। वहीं दुनिया के 133 देशों में त्वरित भुगतान सुविधा नहीं है।''

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में इन देशों को तकनीकी रूप से छलांग लगाने लायक बनाने के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की जरूरत है। इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सतत या टिकाऊ विकास लक्ष्यों को उन तक पहुंचाया जा सके। कांत ने कहा कि कोविड काल के दौरान दुनियाभर में सरकारें बड़े राहत पैकेज दे रही थीं लेकिन इससे महंगाई बढ़ गई।

सम्मानित

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंगलवार को झारखंड के कोडरमा में 'आपकी सरकार, आपके दवार' कार्यक्रम के दौरान लोगों को सम्मानित करते हुए।

मास्क टीवी पर प्रसारित होगी वेबसीरीज 'नुक्कड़'

मुंबई/वार्ता

वेबसीरीज नुक्कड़ ओटीटी प्लेटफार्म मास्क टीवी पर 08 दिसंबर को रिलीज होगी। 06 एपिसोड की वेबसीरिज नुक्कड़ मास्क टीवी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आगामी 08 दिसम्बर से प्रसारित होने के लिए तैयार है ।निर्माताद्वय चिरंजीवी भट्ट और अंजू भट्ट ने नुक्कड़ का निर्माण किया है। मास्क ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म की चैनल प्रोड्यूसर मानसी भट्ट ने बताया कि नुक्कड़ वेबसीरिज में दर्शकों को अभिक बेनजीर और सनम जिया के साथ वेद प्रकाश भी बेहद महत्वपूर्ण चरित्र में दिखने वाले हैं । इन तीनो ने अब तक डार्क या ग्रे शेड्स और कॉमेडी प्रधान फिल्में की थी लेकिन नुक्कड़ में इनलोगों ने कुछ लीक से हटकर काम किया है।

मास्क टीवी ओटीटी का हाल फिलहाल में एक साल का सफर भी पूरा होने वाला है लेकिन इस वर्षगांठ से पहले ही नुक्कड़ की सौगात देना भी इस प्लेटफॉर्म की एक शानदार उपलब्द्धि ही है । नुक्कड़ के मुख्य किरदार तृप्ति साहू, अपाला बिष्ट, इमरान हुसैन , रोहित बनर्जी ,सागर सैनी , वीणा ,पूजा,सौरभ,प्रीति शर्मा ,सुनील सैनी ,सतीश,रूबीना खान,प्रियंका कश्यप ,विशाल सिंह,करण मेहरा हैं। नुक्कड़ का निर्देशन अभिक बेनजीर ने किया है, वहीं छायांकन अशोक पांडा ने किया है,संगीतकार जॉय दत्ता और रुद्र मजूमदार के बनाये हुए संगीत को सुरों से सौगत डे पिरोया है,जिन्हें कलमबद्ध वशकर घोष ने किया है।

गुवाहाटी में मंगलवार को मां कामाख्या मंदिर में पूजा करती एक युवती।

'भारत ने शांति स्थापना में सुधार पहल का लगातार समर्थन किया; उस पर भरोसा है'

संयुक्त राष्ट्र/भाषा

संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि सेना और पुलिस योगदान देने वाले अग्रणी देशों में से एक, भारत ने शांति स्थापना अभियानों में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र की पहल का लगातार समर्थन किया है और विश्व निकाय नई दिल्ली को शांति स्थापना में एक प्रमुख भागीदार मानता है।

शांति अभियानों के अवर महासचिव ज्यां-पियरे लैक्रोइक्स ने यहां 2023 संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले पीटीआई-भाषा के साथ एक विशेष साक्षात्कार में भारत के साथ सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में प्रौद्योगिकी, शांति मिशन में महिलाओं की संख्या और भूमिका में वृद्धि और 'ब्लू हेलमेट' के खिलाफ अपराध के लिए जवाबदेही पर प्रकाश डाला।

ब्लू हेलमेट संयुक्त राष्ट्र के सैन्यकर्मी हैं जो स्थिरता, सुरक्षा और शांति प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिये संयुक्त राष्ट्र पुलिस और नागरिक सहयोगियों के साथ कार्य करते हैं।

मंत्रिस्तरीय बैठक 5-6 दिसंबर को अकरा, घाना में होने वाली है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि यह संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए 85 से अधिक देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के मंत्रियों और प्रतिनिधियों को एक साथ लाएगा।

लैक्रोइक्स ने कहा, ''हम भारत पर बहुत भरोसा करते हैं। भारत शांति स्थापना के प्रमुख साझेदारों में से एक है। यह अग्रणी सैन्य और पुलिस योगदान देने वाले देशों में से एक है। इसके अलावा यह एक ऐसा देश भी है जिसने शांति स्थापना में सुधार के लिए सभी पहलों का लगातार समर्थन किया है।''

तय हुआ 'एनिमल' का ओटीटी पर आना

मुंबई/एजेन्सी

रणबीर कपूर की 'एनिमल' पूरी दुनिया में तहलका मचा रही है। फिल्म को लेकर दर्शकों की तरफ से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर की दमदार एक्टिंग ने लोगों के होश उड़ा दिए हैं। वहीं कई लोग फिल्म की ओटीटी रिलीज का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच एनिमल की ओटीटी रिलीज को लेकर एक नया अपडेट सामने आया है। इस बात से तो सभी वाकिफ हैं कि एनिमल की ओटीटी राइट्स नेटफ्लिक्स के पास है। बॉलीवुड लाइव के मुताबिक, फिल्म अगले साल जनवरी के महीने से स्ट्रीम हो सकती है। ज्ञातव्य है कि थिएटर रिलीज के 45-60 दिनों के बाद किसी भी फिल्म को ओटीटी पर रिलीज कर दिया जाता है। इस हिसाब से एनिमल नेटफ्लिक्स पर 14 या 15 जनवरी से स्ट्रीम पर सकती है। हालांकि, अभी तक इसे लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं एनिमल के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म जमकर कमाई कर रही हैं और इसी के साथ कई सारे फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़ रही है। 'एनिमल' ने रिलीज के चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर 240 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। अब ये फिल्म 250 करोड़ के आंकड़े को पार करने से चंद कदम ही दूर है। फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को देखते हुए ये कहना गलत नहीं है कि फिल्म बहुत जल्द इतिहास रचने वाली है। वहीं जहां एक तरह लोगों को संदीप रेड्डी वांगा की ये फिल्म खूब पसंद आ रही हैतो वहीं दूसरी तरह फिल्म को लेकर कई लोग आलोचना भी कर रहे हैं। उनका मानना है कि फिल्म में हद से ज्यादा वॉयलेंस दिखाया गया है।

प्रदर्शन से पूर्व सालार ने बनाया रिकॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सुपरस्टार प्रभास स्टारर की फिल्म 'सालार' का इंतजार अब खत्म होने वाला है। ये हाई-वोल्टेज एक्शन थ्रिलर फिल्म 22 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसी बीच फिल्म की एडवांस बुकिंग की घोषणा की गई है। यह फिल्म इस साल की मचअवेटेड फिल्मों में से एक है। कुछ दिन पहले ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इस दौरान फिल्म ने एक रिकॉर्ड भी कायम किया है। प्रभास स्टारर की फिल्म 'सालार' के ट्रेलर को 24 घंटे में 135 मिलियन लोगों ने देखा है। जो एक हिस्ट्री बन गई। सालार का ट्रेलर देखने के बाद दर्शकों ने इसकी तुलना केजीएफ से करना शुरू कर दिया है। कई दर्शकों का कहना है कि यह केजीएफ की कॉपी है। निर्देशक प्रशांत नील ने सालार को भी उसी तरह से प्रस्तुत किया है जिस तरह से उन्होंने केजीएफ को किया था। इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि सालार का डंकी के साथ टकराव है, जिसके चलते उसे बॉक्स ऑफिस पर काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसका सबसे कारण यह बताया जा रहा है कि हाल ही में दर्शकों ने एक्शन से लबरेज एनिमल को देखा है, ऐसे में लगातार दूसरी एक्शन फिल्म देखने के स्थान पर वे हल्की फुल्की कॉमेडी फिल्म देखना पसन्द करेंगे जो कि उनकी नजरों में डंकी होगी। इससे जहाँ सालार को नुकसान होगा, डंकी को फायदा होगा। जानें कब से शुरू होगी 'सालार' की एडवांस बुकिंग?

हाल ही में मेकर्स ने फिल्म की एडवांस बुकिंग के बारे में भी जानकारी दे दी है। 'सालार' के ट्रेलर के अंत में इस बात की सूचना दी गई कि फिल्म की एडवांस बुकिंग 15 दिसंबर से शुरू हो जाएंगी। बुक माय शो पर भी फिल्म ने रिलीज से पहले इतिहास रच दिया है। 22 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की सालार के साथ शाहरुख खान की डंकी भी रिलीज होने वाली है। ऐसे में कौन सी फिल्म कमाई के मामले में आगे निकलती है, ये तो रिलीज के बाद ही पता चल पाएगा। लेकिन बाजार में बज प्रभास की 'सालार' का बना हुआ है। 'सालार' प्रशांत नील के डायरेक्शन में बनी फिल्म है। इस फिल्म का दमदार ट्रेलर आपके रोंगटे खड़े कर देगा।

जोरम का हिस्सा बनकर खुश हैं मनोज वाजपेयी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता मनोज वाजपेयी फिल्म जोरम का हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं। सर्वाइवल थ्रिलर फिल्म जोरम 08 दिसम्बर को रिलीज होने वाली है। देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित, जोरम एक ऐसे इंसान की कहानी है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए भाग रहा है। यह फिल्म सामाजिक असमानताओं, आदिवासी समुदायों के साथ अन्याय जैसे मुद्दों के बारे में है। फिल्म जोरम के प्रमोशन के सिलसिले में राजधानी पटना आये मनोज वाजपेयी ने कहा,मैं फिल्म 'जोरम' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। फिल्म जोरम वास्तव में सभी पहलुओं में परिपक्व साबित हुई है। मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं अब तक हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, हम वास्तव में अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, फिल्म जोरम जंगल में रहने वाले आदिवासियों की कहानी है, यह एक परिवार की कहानी है। जोरम हम सभी की कहानी है जो सिस्टम के मारे हुये हैं।

शूटिंग के दौरान हमें झारखंड में ऐसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिनकी उम्मीद भी नहीं की थी। हमें इन एक्सट्रीम परिस्थितियों से खुद को बचाने के लिए जरूरी सावधानियां बरतनी पड़ीं। मुझे कलाकारों और क्रू और लोकल प्रोडक्शन टीम पर बहुत गर्व है जिन्होंने अविश्वसनीय प्रयास किए। उन्होंने कमाल का काम किया और उनकी कड़ी मेहनत ने हमारे प्रोजेक्ट को खास बना दिया, उन कठिन परिस्थितियों के बावजूद भी जिनका हमें सामना करना पड़ा।' मनोज वाजपेयी ने कहा,जब हम पटना आते हैं तो यहां के लोग हमेशा से हमें खूब प्यार और सम्मान देते हैं। मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। यह मेरा घर है. फिल्म 'जोरम' के ट्रेलर को अपार प्यार मिला है, और अब यह जल्द ही रिलीज होने वाली है।

मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं की दर्शक इस फिल्म को ज़रूर देखें। देवाशीष मखीजा ने कहा, मैंने फिल्म जोरम की कहानी मनोज वाजपेयी को वर्ष 2017 में सुनायी थी। वर्ष 2021 में जोरम शुरू हुयी। हमें जी स्टूडियो का साथ मिला। देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित, लिखित और शारिक पटेल, आशिमा अवस्थी चौधरी, अनुपमा बोस और देवाशीष मखीजा द्वारा निर्मित फिल्म 'जोरम' में मनोज बाजपेयी के साथ जीशान अय्यूब, पीयूष पुटी की अहम भूमिका है।

सलमान खान 29वें कोलकाता अतंरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शिरकत करने पहुंचे

कोलकाता/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान 29वें कोलकाता अतंरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शामिल होने के लिए महानगर पहुंचे गये हैं। इस महोत्सव का उद्घाटन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उपस्थिति में मंगलवार शाम को नेताजी इंडोर स्टेडियम में होगा। महोत्सव समिति के अध्यक्ष राज चक्रवर्ती ने बताया कि आठ दिवसीय मेगा फेस्टिवल में 39 विभिन्न देशों की लगभग 219 फिल्में, 72 फीचर फिल्में और केआईएफएफ की विभिन्न प्रतियोगिता श्रेणियों में 50 लघु फिल्में और वृत्तचित्र प्रदर्शित किए जाएंगे। इस दौरान, सलमान खान के अलावा, दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर और कमल हसन भी उपस्थित होने वाले हैं और सांसद शत्रुघ्न सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। राज्य मंत्री और केआईएफएफ के मुख्य सलाहकार अरूप बिस्वास के अनुसार, दुनिया भर से तेरह फिल्में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता (इनोवेशन इन मूविंग इमेजेज) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक गोल्डन रॉयल बंगाल ट्रॉफी के लिए क्रमशः 51 लाख रुपये और 21 लाख रुपये की पुरस्कार राशि के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी। महानायक उत्तम कुमार और तनुजा अभिनीत 1963 की बंगाली क्लासिक डेया नेया, उद्घाटन फिल्म होगी। बंगाली पैनोरमा अनुभाग पहली बार प्रतिस्पर्धी होगा जिसमें विजेता के लिए 7.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि होगी।

'फाइटर' में दीपिका पादुकोण बनी हैं स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में 'कॉफी विद करण' में अपनी उपस्थिति के बाद सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपनी आगामी एक्शन फिल्म 'फाइटर' से अपने किरदार के नाम का खुलासा किया है, जिसमें वह अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ अभिनय कर रही हैं। फिल्म में दीपिका स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़ का किरदार निभाती नजर आएंगी, जिन्हें उनके कॉल साइन 'मिन्नी' के नाम से जाना जाता है। एयर ड्रैगन्स यूनिट में एक पायलट के रूप में उनकी भूमिका लचीलेपन और वीरता को दर्शाती है। यह एक हेलीकॉप्टर पायलट के रूप में उनका पहला 'मिशन' है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया पर एक्सक्लूसिव लुक साझा किया और कैप्शन में लिखा, स्क्वाड्रन लीडर मीनल राठौड़, कॉल साइन मिन्नी। डेजिग्नेशन: स्क्वाड्रन पायलट, यूनिट: एयर ड्रेगन। फिल्म में उनका किरदार धैर्य, दृढ़ संकल्प और 'फाइटर' की अटूट भावना का प्रतीक है। इससे पहले ऋतिक ने बहुप्रतीक्षित फिल्म से इस किरदार का लुक साझा किया था। अभिनेता ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पर पहला लुक साझा किया। पैटी उर्फ स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया के अपने किरदार के बारे में बताते हुए ऋतिक ने कैप्शन में लिखा, स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया। कॉल साइन: पैटी। डेजिग्नेशन: स्क्वाड्रन पायलटा यूनिट: एयर ड्रेगन्स। 'फाइटर' का निर्देशन रितिक की 'वॉर' और 'बैंग बैंग' के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने किया है, इसमें पैटी के रूप में रितिक के भारत के सर्वश्रेष्ठ फाइटर पायलट बनने के सफर को दर्शाया गया है। फिल्म में रितिक और दीपिका की जोड़ी को भी दिखाया गया है, जो अद्वितीय ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री और उनकी व्यक्तिगत कौशल की प्रत्याशा को बढ़ाती है। यह फिल्म भारत के 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवनयापन और जीवन-लक्ष्य दो भिन्न बातें हैं। प्रायः सामान्य लोगों का जीवन-लक्ष्य जीवनयापन ही रहता है। खाना-कमाना, ब्याह- शादी, लेन-देन, व्यवहार-व्यापार आदि साधारण क्रमों को पूरा करते हुए मृत्यु तक पहुंच जाना, बस इसके अतिरिक्त उनका और कोई लक्ष्य नहीं होता। एक जीविका का साधन जुटा लेना, एक परिवार बसा लेना और बच्चों का पालन-पोषण करते हुए शादी-ब्याह आदि कर देना मात्र ही साधारणतयाँ लोगों ने जीवन-लक्ष्य मान लिया है। मीठे फल खाने की इच्छा से दो मित्र एक बगीचे में गए।

'शब्द' का पुरस्कार वितरण समारोह 10 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश की सॉफ्टवेयर राजधानी बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' का वार्षिकोत्सव-सह-पुरस्कार अर्पण समारोह आगामी रविवार 10 दिसंबर को आयोजित होगा। कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस उत्सव के मुख्य अतिथि कन्नड़ के मूर्धन्य कवि एच एस शिवप्रकाश होंगे जो 'शब्द' के पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे। इक्कीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूर की वयोवृद्ध हिंदी सेवी और 'कर्नाटक महिला हिंदी सेवा समिति' की प्रमुख बी एस शांता बाई को प्रदान किया जाएगा तथा एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' मूर्धन्य कथाकार हृषीकेश सुलभ को प्रदान किया जाएगा।

विज्ञप्ति के अनुसार 'शब्द' के द्वारा ये पुरस्कार देश में और विशेषकर दक्षिण के प्रदेशों में साहित्यिक चेतना के विकास तथा भाषाई समन्वय के भाव से प्रदान किए जाते हैं। पुरस्कृत किए जाने वालों को पुरस्कार राशि के साथ-साथ पारंपरिक मैसूर पेटा, स्मृति चिह्न, अंगवस्त्रम, सम्मान पत्र और श्रीफल भेंट किए जाएंगे। दोनों पुरस्कारों का निर्णय हिंदी भाषा और साहित्य के सर्जक विद्वानों की पाँच सदस्यीय मूल्यांकन समिति की संस्तुति के आधार पर निर्णायक मंडल ने सर्वसम्मति से किया। उक्त सम्मान मूर्तियों का चयन उनके अबतक के कार्यों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' बेंगलूरु के प्रसिद्ध समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से दिया जाएगा। इसी तरह 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूरु और चेन्नई से प्रकाशित प्रमुख हिंदी समाचार पत्र समूह 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से दिया जाएगा। 'शब्द' के इस समारोह में बेंगलूर के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग चार सौ साहित्यप्रेमियों के शामिल होने की संभावना है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जगदगुरु रेणुकाचार्य विद्या संस्थान के राजाजीनगर स्थित एसजेआर महिला महाविद्यालय में कर्नाटक राज्योत्सव के उपलक्ष्य में नुडी हब्बा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, डॉक्टर बी वी राजाराम एवं डॉक्टर के. शरीफा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। महेंद्र मुणोत ने मेधावी छात्राओं को पुरस्कृत किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रेमा सिद्धराजू ने अतिथियों को सम्मानित किया।

'कुछ पाने के लिए हमें तपना जरुरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुनि मेरुपद्मसागरजी एवं अर्हमपद्मसागरजी ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य का तन एक दिन मिट्टी में मिल जाता है। शरीर नश्वर है। जैसे पत्थर को भी तराश कर प्रतिमा बनाया जाता है तब ही वह पूजनीय होती है, वैसे ही मनुष्य को अपने खामियों व कमजोरियों को दूर करना चाहिए तथा व्यवहार में सज्जनता लाना चाहिए तभी लोग उसका आदर करेंगे। यदि हम तकलिफों से न भागते हुए डटकर खड़े रहे तो ही हम सोना बन सकते है। कुछ बनने के लिए हमें तपना जरुरी है। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष एवं ट्रस्टी मंडल तथा संघ के कार्यकर्ताओं ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

शहर के स्कूलों में बम की अफवाह फैलाने वाले अज्ञात व्यक्ति को पकड़कर रहेगी पुलिस : नगर पुलिस आयुक्त

पुलिस आयुक्त ने देर रात अनावश्यक रुप से न घूमने का किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत दिनों शहर के विभिन्न स्कूलों में बम की अफवाह का मामला चर्चा में है। मंगलवार को नगर पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने एक पत्रकार वार्ता में बताया कि गत दिनों हुई स्कूल बम अफवाह को लेकर पुलिस बहुत गंभीरता से जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि शहर के विभिन्न स्कूलों में ईमेल द्वारा बम होने की जानकारी दी गई थी, पर पूरी जांच होने पर यह गलत साबित हुई। शहर के किसी स्कूल में कोई बम नहीं मिला। पुलिस इस मामले की संगीनता से जांच करते हुए शहर के 27 थानों में केस दर्ज कराया है। इस मामले में पुलिस विदेशी व देशी विभिन्न एजेन्सियों से इस बम अफवाह के बारे में कुछ साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। दयानंद ने कहा कि कुछ दिनों से अमेरिका, जर्मनी व मलेशिया जैसे देशों में भी इस तरह से ही स्कूल में बम होने की अफवाह फैलाई गई है, पुलिस इसकी भी जांच कर रही है ताकि कोई संबंध निकाला जा सके। पुलिस आयुक्त ने बताया कि यह जो भी शक्स है वह वीपीएन एवं फेक्सो सर्वर का उपयोग कर इस तरह की अफवाह फैलाते हैं ताकि उनकी सही लोकेशन पता नहीं लगाई जा सके। इसके लिए पुलिस साइबर विशेषज्ञों की सहायता ले रही है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि पुलिस इस बम अफवाह की गुत्थी को सुलझाने के लिए हर दृष्टिकोण से जांच कर रही है और दोषी को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

पुलिस आयुक्त दयानंद ने शहर की कानून व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि इन दिनों शहर में अनावश्यक रुप से देर रात शहर की सड़कों पर लोगों की घूमने की शिकायत आ रही है। उन्होंने बेंगलूरु वासियों से निवेदन किया कि वे अनावश्यक रुप से रात में सड़कों पर न घूमें, पुलिस इस ओर सख्ती से कार्य कर रही है। अनावश्यक रुप से घूमने वाले को दंडित किया जाएगा। उन्होंने शहर में बढ़ रहे नशे के कारोबार पर नकेल कसने के उद्देश्य से बताया कि शहर की सीसीबी पुलिस से गत दिनों में लाखों रुपए मूल्य के ड्रग पदार्थ पकड़े हैं। पुलिस ड्रग्स बेचने व खरीदने वाले के खिलाफ केस दर्ज करने को तैयार है।

आचार्य कान्तिसागरसूरीश्वर की पुण्यतिथि पर विशेष पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में गच्छ गणिनी साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में आचार्यश्री जिनकान्तिसागरसूरीश्वर जी म. सा. की 38वीं पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यक्रम के अन्तर्गत आचार्यश्री कांतिगुरु का विशेष पूजन का आयोजन रखा गया। कांति गुरु पूजा श्री जिनकुशलसूरी जैन महिला संगीत मंडल ने आसकरण मंजुबाई लुणावत परिवार कुन्नूर के सौजन्य से पढ़ाई गई। इस मौके पर दादावाड़ी से अनेक सदस्य उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि वर्तमान में खरतरगच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी आचार्य जिनकान्तिसूरीश्वरजी म. सा के ही शिष्य रत्न हैं।

बिहार भवन में भारतरत्न डा. राजेन्द्रप्रसाद की जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट और सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति, भारतरत्न डा. राजेन्द्र प्रसाद का 139वीं जन्म शताब्दी समारोह बिहार भवन में मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि , राम ग्लोबल स्कूल के संस्थापक मुकेश सिंह, मुख्य वक्ता के रुप में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो के सेवानिवृत निदेशक डा. श्रीनारायण सिंह समीर ने डा. राजेन्द्र प्रसाद की बृहद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। मुख्य अतिथि सहित सभी आमंत्रित सदस्यों ने डा. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार उपस्थिति जन समूह के समक्ष रखा।

इस मौके पर सेवा ब्रिगेड फाउंडेशन और राजेंद्र मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त आह्वान पर मणिपाल हॉस्पिटल हेब्बाल, अमाया डेंटल क्लिनिक और हनुमान ऑप्टिशियन के सहयोग से नि:शुल्क संपूर्ण स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सेवा ब्रिगेड के अध्यक्ष प्रवीण पांडेय ने बताया 300 की संख्या में लोगों का नेत्र परीक्षण, रक्तचाप की जांच, ईसीजी, शरीर विश्लेषण, दंत की जांच की गई तथा साथ नि:शुल्क कार्डियोलाजी और सामान्य चिकित्सक परामर्श दिया गया।

राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, सचिव रामलखन सिंह, सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष डॉ.विनय कुमार यादव, संयोजक उदय कुमार, प्रवीण पाण्डेय, डॉ. मंजूनाथ सहायक हृदय रोग विशेषज्ञ, रक्षा कोठारी, कौशिक गौड़ा, सुरेश, अखिलेश्वर त्रिपाठी, बीरेंद्र ठाकुर आदि उपस्थित थे।

चुनावों में हार के लिए विपक्ष ने ईवीएम पर दोष मढ़ा, भाजपा नेताओं ने उड़ाया उनका मजाक

नई दिल्ली/भाषा

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने को लेकर भाजपा नेताओं ने उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि वे (विपक्षी नेता) अपनी कमियों को छिपाने के लिये बहाने तलाश रहे हैं।

हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हिंदी पट्टी के तीन राज्यों - राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़- में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत के बाद कई विपक्षी नेताओं ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर सवाल उठाए थे, कुछ ने हालांकि कहा कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी वे चुनाव जीतने में असफल होते हैं, तो वे ईवीएम को दोष देते हैं।

उन्होंने कहा, नया कुछ भी नहीं है। विपक्ष, चाहे कोई भी हो, जब जीतता है तो उसे ईवीएम से कोई परेशानी नहीं होती, लेकिन जब हारता है, तो इसका ठीकरा ईवीएम पर फोड़ता है।

एक अन्य भाजपा नेता एस.पी. सिंह बघेल ने कहा, इन ईवीएम के दम पर आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली में तीन बार और पंजाब में एक बार चुनाव जीता, 2012 में समाजवादी पार्टी (सपा) को (उत्तर प्रदेश में) पूर्ण बहुमत मिला, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 2007 में (उत्तर प्रदेश में) पूर्ण बहुमत मिला और कांग्रेस ने तेलंगाना जीता।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, नाच न जाने आंगन टेढ़ा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष पुरानी बात दोहरा रहा है।

उन्होंने कहा, इसमें कोई नई बात नहीं है, लेकिन अगर आप तीन राज्यों में सवाल उठा रहे हैं, तो तेलंगाना की जीत पर भी सवाल उठाएं। यह घिसा-पिटा फार्मूला है। यह पुनरावृत्ति है। अगर आपको लगता है कि ईवीएम में हेरफेर किया गया है, तो आप प्रचार करने क्यों जाते हैं? आप उन राज्यों में चयनात्मक आलोचना करते हैं, जहां आप चुनाव हार गए हैं। आपको अपनी हार को स्वीकार करने और समझने की जरूरत है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव प्रताप रुडी ने कहा कि ईवीएम का इस्तेमाल लंबे समय से किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ईवीएम पिछले 18-19 साल से हैं। जब वे (विपक्ष) चुनाव जीतते हैं, तो सवाल नहीं उठाते। क्या उन्हें लोगों पर भरोसा नहीं है? मुझे लगता है कि बार-बार हार के बाद भी विपक्ष द्वारा इसे उठाना हास्यास्पद है।

अभिनेता और भाजपा सांसद रवि किशन ने कहा, यह पता था कि वे ईवीएम को दोष देंगे। उनके दिमाग ने काम करना बंद कर दिया है। उनके भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को लोगों ने खारिज कर दिया है, इसलिए वे ऐसी अपरिपक्व बातें कह रहे हैं।

उन्होंने कहा, देश ने विपक्ष को खारिज कर दिया है। भविष्य में भाजपा हर चुनाव जीतेगी।

अभिनेता से नेता बने दिनेश लाल यादव निरहुआ ने कहा, विपक्ष ईवीएम का रोना रोता रहेगा और (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदीजी अगले साल 400 (लोकसभा) सीट के साथ वापस आएंगे।

सज्जन बनकर ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल हो सकते है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तुमकूर रोड स्थित पार्श्व लब्धि धाम में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि आप सज्जन बनकर जीवन के हर क्षेत्र में सफल हो सकते हैं, क्योंकि सज्जन लोग दृढ़ स्वभाव के होते है। हमें परमेश्वर विद्वानों की संगति से ही प्राप्त होते हैं। मनुष्य जिस संगति में रहता है, उसकी छाप उस पर पड़ती है। उसका निज गुण छुप जाता है और वह संगति का गुण प्राप्त कर लेता है। प्रकृति के क्षेत्र में जो साधना करते हैं, उन का सम्मान होता सज्जनों की संगति करने पर कुछ समय पश्चात ही दुर्जनों में भी सज्जनता आ ही जाती है। सज्जन मनुष्य लाख विपत्ति आने पर भी अपनी सज्जनता नहीं छोड़ते, इसी सज्जनता से समूचे विश्व का कल्याण होता है। गौतमचंद लुणिया ने बताया कि साध्वीवृंद बुधवार को आदि संस्कार धाम नेलमंगला पहुंचेगी। विहार सेवा मे सुनील कुंकुलोल, प्रवीण भंसाली, गौतमचंद लुणिया, चंद्रप्रकाश झारमुथा, नीलेश लोढा, राकेश दांतेवाडिया, विनोद भंसाली, विक्रम छाजेड़, वीणा दांतेवाडिया, कैलाश जैन,अर्हम ग्रुप के सदस्यों ने लाभ लिया।

कटारिया भाईपा सम्मेलन 17 दिसम्बर को, तैयारियाँ शुरु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भर के प्रवासी कटारिया परिवारों में आपसी समन्वय बढ़ाने, जुड़ाव को मजबूती देने तथा आपसी नेटवर्किंग का विस्तार करने के उद्धेश्य से कर्नाटक कटारिया फ़ाउंडेशन आगामी 17 दिसंबर को कटारिया भाईपा सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। मेन्स एवेन्यू के भंवरलाल कटारिया के मुख्य प्रायोजन में टुमकुरु रोड़ स्थित रेसीडेंसी रिसॉर्ट में इस सम्मेलन का आयोजन होगा। सम्मेलन की प्रारंभिक तैयारियों के अन्तर्गत कटारिया फ़ाउंडेशन के सदस्यों की एक टीम ने आयोजन स्थल का दौरा कर कार्यों का निरीक्षण किया। फ़ाउंडेशन के सचिव मिश्रीमल कटारिया के अनुसार आयोजन के दौरान कटारिया परिवारों के सदस्य अपनी विभिन्न कला-कौशल का प्रदर्शन करेंगे साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, सिद्धितप-मासखमण-वर्षीतप करने वाले तपस्वियों तथा अन्य क्षेत्र में उपलब्धि प्राप्त करने वाले विशेषजनों को सम्मानित किया जाएगा। फ़ाउंडेशन के अध्यक्ष एवं मुख्य प्रायोजक भंवरलाल कटारिया ने सभी कटारिया परिवारों से इस सम्मेलन में सम्मिलित होने का निवेदन किया है। सम्मेलन की प्रारंभिक तैयारियों का भंवरलाल, मिश्रीमल, नवरतनमल, पंकजकुमार, निर्मलकुमार, अशोककुमार, सुरेशकुमार, महेंद्र कटारिया आदि ने रेसीडेंसी रिसोर्ट का जायजा लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.